दैनिक
साधना एक्सप्रेस

वर्ष-4 | अंक -51 | sadhnaexpress@gmail.com | भोपाल, शुक्रवार, 13 फरवरी 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य - 2 रुपये | www.sadhnaexpress.com

न्यूज ब्रीफ

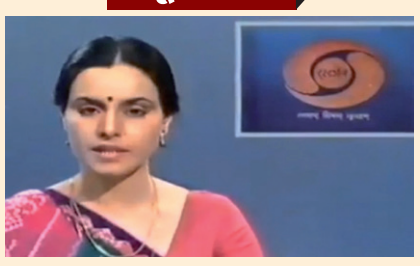

दूरदर्शन की दिग्गज समाचार एंकर सरला माहेश्वरी का निधन

नई दिल्ली, एजेंसी | दूरदर्शन की दिग्गज समाचार एंकर सरला माहेश्वरी का 71 वर्ष की आयु में निधन हो गया, जिससे भारतीय प्रसारण के एक युग का अंत ह ो गया। वह 1980 के दशक में अपनी शांत प्रस्तुति, शालीनता और त्रुटिहीन हिंदी उच्चारण के लिए जानी जाती थीं, जब दूरदर्शन देश का प्रमुख समाचार स्रोत था।

दूरदर्शन की दिग्गज समाचार एंकर सरला माहेश्वरी का दिल्ली में 71 वर्ष की आयु में निधन हो गया। सार्वजनिक प्रसारक ने गुरुवार को यह घोषणा की, जिसके बाद सहकर्मियों और प्रशंसकों की ओर से श्रद्धांजलि का तांता लग गया। डीडी न्यूज़ ने X पर एक पोस्ट में लिखा कि दूरदर्शन की दिग्गज एंकर सरला माहेश्वरी का 71 वर्ष की आयु में निधन हो गया; वह 1980 के दशक में डीडी न्यूज़ के सबसे परिचित और प्रसिद्ध चेहरों में से एक थीं।

उनकी मृत्यु पर दर्शकों, सहकर्मियों और प्रशंसकों की ओर से शोक संवेदनाओं का तांता लग गया है, जो उनकी शांत उपस्थिति और आकर्षक प्रस्तुति शैली को याद करते हैं।

राजपाल यादव को राहत नहीं! कोर्ट ने फटकार लगाते हुए कहा- वादा खिलाफी की सजा काट रहे हैं अभिनेता

नई दिल्ली, एजेंसी| अपनी कॉमेडी से करोड़ों दिलों को जीतने वाले अभिनेता राजपाल यादव की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। दिल्ली उच्च न्यायालय ने गुरुवार को उनकी जमानत याचिका पर सुनवाई टालते हुए उन्हें कोई भी राहत देने से इनकार कर दिया। अब अभिनेता को कम से कम 16 फरवरी (सोमवार) तक तिहार जेल में ही रहना होगा। कोर्ट ने मुरली प्रोजेक्ट्स कंपनी को भी नोटिस जारी किया, इसी कंपनी ने 2010 में यादव को उनकी पहली डायरेक्टोरियल फिल्म 'अता पता लापता' के लिए 5 करोड़ रुपये का लोन दिया था। यह मामला लगभग 9 करोड़ रुपये से जुड़ा है जिसे यादव कथित तौर पर चुकाने में नाकाम रहे। सुनवाई के दौरान, यादव के वकीलों ने कोर्ट से समय मांगा, यह कहते हुए कि उन्हें पेमेंट के बारे में उनसे निर्देश चाहिए। एक्टर ने कोर्ट को यह भी बताया कि यादव को इस महीने के आखिर में शाहजहांपुर में अपनी भतीजी की शादी में शामिल होना है। वह 5 फरवरी से तिहाड़ जेल में ज्यूडिशियल कस्टडी में हैं। सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा की पीठ ने राजपाल यादव के आचरण पर बेहद सख्त टिप्पणी की। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अभिनेता अपनी सजा के लिए खुद जिम्मेदार हैं वादा खिलाफीः अदालत ने कहा कि राजपाल यादव ने कम से कम दो दर्जन (24 बार) मौकों पर कोर्ट को आश्वासन दिया था कि वे बकाया राशि चुका देंगे, लेकिन उन्होंने अपना वादा कभी पूरा नहीं किया। खुद का आचरणः जस्टिस शर्मा ने कहा, 'आप जेल में कोर्ट के आदेश की वजह से नहीं, बल्कि अपने आचरण की वजह से हैं।

भारतीयों का सोना देश की इकोनॉमी से ज्यादा कीमती, $5 ट्रिलियन के आंकड़े ने दुनिया को चौंकाया

अब भारतीयों के घरों की तिजोरियों में बंद सोने का मूल्य जीडीपी से ज्यादा हो गया है। सोने की कीमतों ने विश्लेषकों के अनुमानों को पीछे छोड़ दिया है। अनुमानों के मुताबिक, भारतीय घरों में लगभग 30,000 टन सोना है। इसका वर्तमान मूल्य 5 ट्रिलियन डॉलर है।

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली | भारतीय परिवारों के पास रखे सोने का मूल्य अभूतपूर्व स्तर पर पहुंच गया है। विश्लेषकों के पूर्वानुमानों को पार करते हुए यह सोने की कीमतों में तेज और निरंतर बढ़ोतरी से प्रेरित है। हालिया अनुमानों के अनुसार, भारतीय परिवारों के पास सामूहिक रूप से लगभग 30,000 टन सोना है। इसका वर्तमान मूल्य लगभग 5 ट्रिलियन डॉलर है। यह आंकड़ा अब भारत की नॉमिनल जीडीपी से ज्यादा है। आईएमएफ के वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुट (अक्टूबर 2025) के अनुसार, 2025-26 के लिए भारत की नॉमिनल जीडीपी 4.125 ट्रिलियन डॉलर अनुमानित है। वैसे तो यह तुलना अहम है। लेकिन, ध्यान रखना चाहिए कि जीडीपी एक वर्ष में उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य को मापती है। वहीं, घरेलू सोना जुटाया गया धन है। सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव इस मूल्य को बढ़ा या घटा सकता है। वास्तविक आर्थिक उत्पादकता को यह नहीं दिखाता है। इसके बावजूद भारत में निजी तौर पर रखे गए सोने का विशाल पैमाना दुनिया में कहीं भी घरेलू धन के सबसे बड़े कॉन्सेंट्रेशन में से एक का प्रतिनिधित्व करता है।

घरों की तिजोरियों में रखे सोने की कीमत में इतनी तेज बढ़ोतरी का मुख्य कारण भारी उछाल है। अकेले 2025 में सोने की कीमतों में लगभग 65% की बढ़ोतरी हुई, जो पारंपरिक पूर्वानुमानों को धता बता रही है।

क्यों इतनी तेजी से बढ़ी कीमत?

मिराए एसेट शेयरखान में कमोडिटीज के प्रमुख प्रवीण सिंह के अनुसार, सोने की रैली गहरे संरचनात्मक बदलावों से प्रेरित है। इनमें फिएट करेंसी और सरकारी बॉन्ड में विश्वास का घटना, अमेरिका, ब्रिटेन और जापान जैसी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में वित्तीय तनाव, अमेरिकी फेडरल रिजर्व की स्वतंत्रता के बारे में चिंताएं, अमेरिकी डॉलर की कमजोरी और भू-राजनीतिक उपकरण के रूप में इसके बढ़ते इस्तेमाल, चीन का संघर्षरत प्रॉपर्टी सेक्टर जैसे फैक्टर शामिल हैं। महंगाई से बचाव के लिए डिमांड और केंद्रीय बैंकों से इसकी खरीद भी अहम कारण हैं।

सिंह के अनुसार, वैश्विक प्रणाली एक नई मौद्रिक व्यवस्था की ओर बढ़ रही है। इसमें सोना व्यापार, भंडार और नीतिगत ढांचे में अधिक केंद्रीय भूमिका निभाता है। जैसे-जैसे पारंपरिक गठबंधन कमजोर होते हैं और राष्ट्र रणनीतिक स्वायत्तता चाहते हैं, सोना एक मौद्रिक और रणनीतिक संपत्ति दोनों बनकर असमान रूप से फायदा उठा रहा है।

सोने की कीमतों में बढ़ोतरी क्या दिखा रही है?

सोने की बढ़ोतरी वैश्विक अर्थशास्त्र और भू-राजनीति में गहरे बदलावों को दिखाती है। इससे निवेशक और केंद्रीय बैंक दोनों दुनिया के सबसे पुराने मूल्य भंडार की ओर बढ़ रहे हैं।

भारत में घरेलू सोने की भूमिका विशेषज्ञों का कहना है कि जबकि सोना भारत में सांस्कृतिक रूप से पसंदीदा बचत साधन है, यह काफी हद तक गैर-उपज वाला और पारंपरिक रूप से नॉन-प्रोडक्टिव एसेट है।

महाशिवरात्रि पर बंगलूरू में पशु वध और मांस बिक्री पर रहेगा पूर्ण प्रतिबंध, आदेश हुआ जारी

• बंगलूरू, एजेंसी

बंगलूरू | महाशिवरात्रि के पर्व के अवसर पर 15 फरवरी 2026 को ग्रेटर बंगलूरू प्राधिकरण क्षेत्र में पशु वध और मांस की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। प्राधिकरण द्वारा जारी आदेश के अनुसार, इस दिन सभी बूचड़खाने और मांस विक्रय केंद्र बंद रहेंगे। यह निर्णय धार्मिक भावनाओं और पारंपरिक मान्यताओं को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

प्रशासन ने संबंधित विभागों को निर्देश दिया है कि आदेश का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। गौरतलब है कि महाशिवरात्रि हिंदू धर्म का एक महत्वपूर्ण त्योहार है, जिसे देशभर में श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया जाता है। बेंगलुरु में हर साल इस अवसर पर विशेष धार्मिक कार्यक्रम और पूजा-अर्चना आयोजित की जाती है। वहीं केरल हाईकोर्ट ने मालाबार डिस्टिलरीज द्वारा अपनी नई ब्रांडी के लिए नाम और लोगो चुनने हेतु आयोजित प्रतियोगिता पर अंतरिम रोक लगा दी है। मुख्य न्यायाधीश सौमेन सेन और न्यायमूर्ति श्याम कुमार वी.एम. की खंडपीठ ने यह आदेश दो अलग-अलग याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान जारी किया। ये याचिकाएं कोल्लम निवासी एम.एम. संजीव कुमार और कोट्टायम के चिंथु कुरियन जॉय ने दायर की थीं। अदालत ने फिलहाल प्रतियोगिता पर रोक लगाते हुए मामले की अगली सुनवाई 12 मार्च को तय की है।

याचिकाकर्ताओं ने अदालत में दलील दी कि यदि इस प्रकार की प्रतियोगिता को अनुमति दी गई, तो यह गलत परंपरा स्थापित करेगी। उनका कहना है कि यह प्रतियोगिता अभकारी अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन करती है। उल्लेखनीय है कि इस प्रतियोगिता में विजेता को 10,000 रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की गई थी। सुनवाई के दौरान केरल स्टेट बेवरेजेस (मैन्युफैक्चरिंग एंड मार्केटिंग) कॉरपोरेशन ने स्पष्ट किया कि विवादित विज्ञापन मालाबार डिस्टिलरीज लिमिटेड द्वारा जारी किया गया था।

शोध ऐसा हो, जो बदल दें सबकी सोचः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

• भोपाल संवाददाता

भोपाल | मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि शोध अकादमिक गतिविधि मात्र नहीं, यह समाज और राष्ट्र की दिशा बदलने वाली शक्ति है। कोई भी शोध इतना उच्च कोटि का होना चाहिए जो हम सबकी सोच को एक नई दृष्टि, नई दिशा भी दे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी शोधार्थियों से आह्वान किया कि वे देश के विकास के लिए अपनी जिज्ञासा और रुचि के अनुसंधान क्षेत्रों में निर्भीक होकर आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि जैसे आवश्यकता आविष्कार की जननी है, वैसे ही शोध विज्ञान और सभी वैज्ञानिक पद्धतियों का जनक है। मानवीय प्रज्ञा में जब वैज्ञानिक ज्ञान का समावेश हो जाता है, तब वह 'प्रज्ञान' का रूप ले लेती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को मप्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् के विज्ञान भवन में श्री दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान द्वारा आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय शोधार्थी समागम (नेशनल रिसर्चर्स मीट) 2026 को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विज्ञान के विकास में ही देश का समग्र विकास निहित है। मध्यप्रदेश को शोध और नवाचार के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि शोध समाज के विकास का आधार है और इसे आधुनिक, परिष्कृत तथा परिमार्जित दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ाया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शोधार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे परंपरागत धारणाओं तक सीमित न रहें, बल्कि नवीन विचारों और वैज्ञानिक दृष्टि के साथ ऐसे शोध प्रस्तुत करें, जो समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शोध सिर्फ़ एक शैक्षणिक आवश्यकता नहीं, सामाजिक परिवर्तन और विकास का सशक्त माध्यम भी है। दुनिया के ज्ञान पर पश्चिम का प्रभाव पड़ा है। भारतीय संस्कृति भी इससे प्रभावित हुई। हमारी संस्कृति में एकल शोध की परंपरा कभी नहीं रही।

उत्तर कोरिया के किम जोंग उन ने किया अपने उत्तराधिकारी का ऐलान

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली | उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने अपनी बेटी किम जू ए को उत्तराधिकारी के रूप में चुन लिया है. दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी नेशनल इंटेलिजेंस सर्विस (NIS) ने आज संसद के सदस्यों को बंद कमरे में ब्रीफिंग देते हुए यह जानकारी दी. NIS ने कहा कि किम जू ए अब 'उत्तराधिकारी नियुक्ति के चरण' में पहुंच चुकी हैं. पहले NIS उन्हें 'उत्तराधिकारी प्रशिक्षण' में बता रही थी, लेकिन अब आकलन बदला गया है. यानी उत्तर कोरिया में किम परिवार की चौथी पीढ़ी तक सत्ता पहुंचाने का काम शुरू हो चुका है.

कौन हैं किम जोंग की बेटी किम जू? - किम जू ए के बारे में बहुत कम जानकारी सार्वजनिक है. माना जाता है कि उनकी उम्र करीब 13 साल है और वे 2013 में पैदा हुई थीं. वह नवंबर 2022 में पहली बार दिखाई दी थीं, जब एक लंबी दूरी की मिसाइल टेस्ट हुआ था. इसके बाद से वे अपने पिता के साथ कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में दिखाई दी हैं, जैसे हथियार परीक्षण, सैन्य परेड, फैक्ट्री उद्घाटन और हाल ही में कोरियाई पीपुल्स आर्मी की स्थापना दिवस पर.

जनवरी 2026 में उन्होंने कुमसुसन सन पैलेस (किम परिवार का प्रतीकात्मक मकबरा) का दौरा किया, जो उत्तराधिकार के लिए महत्वपूर्ण संकेत माना जाता है. सितंबर 2025 में वे पिता के साथ बीजिंग गईं, जो उनकी पहली विदेश यात्रा थी. वहां वे चीनी नेता शी जिनपिंग से मिलीं और उत्तर कोरियाई दूतावास में कार्यक्रमों में शामिल हुईं. NIS का कहना है कि इन घटनाओं से पता चलता है कि किम जू ए अब नीतिगत मामलों पर राय दे रही हैं और उन्हें दूसरे सबसे ऊंचे पद पर माना जा रहा है.

राहुल गांधी फैला रहे झूठ, भारत को मिलेगा पूरा फायदा - पीयूष गोयल

• नई दिल्ली, एजेंसी

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि भारत को अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते के तहत अमेरिकी सूत और कपास से बने वस्त्रों पर रियायती शुल्क का लाभ मिलेगा, जो बांग्लादेश को वर्तमान में मिल रहे लाभों के समान है। अमेरिका बांग्लादेशी वस्तुओं पर पारस्परिक शुल्क घटाकर 19 प्रतिशत कर देगा। हालांकि, बांग्लादेश से आने वाले वस्त्रों पर शून्य शुल्क तभी लगता है जब वे अमेरिकी कपास और

कृत्रिम रेशों से निर्मित हों। वर्तमान में, बांग्लादेशी वस्त्रों पर 31 प्रतिशत शुल्क लगता है (12 प्रतिशत मोस्ट फेवर्ड नेशन शुल्क और 19 प्रतिशत पारस्परिक शुल्क), और यदि उनमें अमेरिकी रेशों का उपयोग किया जाता है, तो शुल्क घटकर 12 प्रतिशत हो जाता है।

गोयल ने पत्रकारों से कहा कि बांग्लादेश को जो मिला है, वही भारत को भी अंतिम समझौते में मिलने वाला है। उन्होंने आगे कहा कि जिस तरह बांग्लादेश के पास यह सुविधा है कि अगर अमेरिका से कच्चा माल खरीदा जाता है, तो उसे संसाधित करके कपड़ा बनाया जाता है और निर्यात किया जाता है, तो वह शून्य पारस्परिक शुल्क पर उपलब्ध होता है।

विदेशों से कितने भारतीय लौटाए गए? सरकार बोली सऊदी अरब से लौटाए गए सबसे अधिक भारतीय

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली| केंद्र सरकार ने कहा है कि ज्यादातर विदेशी सरकारें उनके देश में अवैध तौर पर रह रहे अप्रवासी नागरिकों के बारे में जानकारी नहीं देती हैं।

इस तरह की जानकारी तभी दी जाती है जब डिपोर्टेशन के निर्देश हों या फिर उन लोगों के राष्ट्रीयता से जुड़े डॉक्यूमेंट वेरिफाई करने हों।

सरकार ने ये भी बताया कि डिपोर्टेशन के तरीके भी हर देश में अलग-अलग हैं।

कुछ देश डिपोर्ट किए जाने वाले लोगों को गिरफ्तार नहीं करते बल्कि उन्हें डिटेंशन या डिपोर्टेशन सेंटर मे रखते हैं।

इससे संबंधित सूचनाएं भारतीय मिशनों के साथ साझा नहीं की जाती हैं। मेजबान देश प्रत्यक्ष तरीके से ही प्रत्यर्पण करते हैं और भारतीय मिशनों को तभी संपर्क

किया जाता है, जब व्यक्ति विशेष की नागरिकता पुष्ट करनी हो।

दरअसल, विदेश मंत्रालय से पूछा गया था कि क्या सरकार बीते पांच सालों में डंकी रूट से दूसरे देशों में गए भारतीयों का आंकड़ा दे सकती है? सरकार ने इस संबंध में पांच चाल में प्रत्यर्पित किए लोगों का आंकड़ा दिया है।

बीते सालों में सउदी अरब से बड़ी तादाद में भारतीय प्रत्यर्पित हुए हैं। जेद्दाह से बीते साल 8921 तो रियाद से 4335 भारत भेजे गए। किस देश से कितने भारतीय लौटाए गए, देख लीजिए आंकड़े...

कनाडा के ओटावो में साल 2025 में बीते साल के मुकाबले प्रत्यर्पित भारतीयों की संख्या में इजाफा दिखा। साल 2023 में ये आंकड़ा 48, तो अगले साल घटकर 30 हो गया।

बीते साल प्रत्यर्पित भारतीयों की संख्या में फिर इजाफा हुआ और ये संख्या 48 हो गई, वहीं कनाडा के टोरांटो में साल 2024 से केवल 63 लोगों का प्रत्यर्पण किया गया था वहीं अगले साल ही इस आंकड़ा उछल कर 198 पर पहुंच गया।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में डिजिटल क्रांति का हुआ अभूतपूर्व विस्तारः सिंधिया

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली | केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज संसद में प्रश्नों के उत्तर देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों में भारत के डिजिटल इकोसिस्टम में आए ऐतिहासिक बदलावों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि भारतनेट विश्व की सबसे महत्वाकांक्षी कनेक्टिविटी योजनाओं में से एक है, जिसका उद्देश्य देश के हर नागरिक तक सस्ती और तेज इंटरनेट सुविधा पहुँचाना है।

केन्द्रीय मंत्री ने सदन को अवगत कराया कि वर्ष 2014 में देश में 93 करोड़ मोबाइल उपभोक्ता थे, जो आज बढ़कर 120 करोड़ हो चुके हैं और मोबाइल पेनिट्रेशन 75 प्रतिशत से बढ़कर 92 प्रतिशत तक पहुँच गया है। इंटरनेट कनेक्टिविटी में भी क्रांतिकारी बदलाव आया है। इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 2014 के 25 करोड़ से बढ़कर आज 100 करोड़ से अधिक हो गई है, और पेनिट्रेशन 20 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 71.8 प्रतिशत तक पहुँच चुकी है। इसी तरह, ब्रॉडबैंड उपभोक्ता 6 करोड़ से बढ़कर 100 करोड़ से अधिक हो गए हैं, जबकि औसत ब्रॉडबैंड स्पीड लगभग 66 एमबीपीएस तक पहुँच चुकी है। सिंधिया ने इसे डिजिटल क्रांति बताते हुए कहा कि कनेक्टिविटी अब शहरी विशेषाधिकार नहीं रही, बल्कि ग्रामीण भारत तक पहुँचने वाला नागरिक अधिकार बन चुकी है।

सिंधिया ने बताया कि ग्रामीण ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी की प्रमुख योजना भारतनेट के तहत देश की 2.56 लाख ग्राम पंचायतों तक ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाई जा रही है। भारतनेट I और II के अंतर्गत लगभग 42,000 करोड़ के निवेश से 2.14 लाख ग्राम पंचायतों को सेवा के लिए तैयार किया जा चुका है। अमेंडेड भारतनेट प्रोग्राम, जिसकी कुल लागत लगभग 16.9 बिलियन डॉलर है, आज विश्व की सबसे बड़ी ग्रामीण कनेक्टिविटी पहल बन चुका है। इसका लक्ष्य शेष क्षेत्रों को जोड़कर अंतिम छोर तक निर्बाध इंटरनेट सुविधा सुनिश्चित करना है।

आईएएफ की बढ़ेगी आसमानी ताकत, 114 नए राफेल जेट्स से कांपेंगे दुश्मन, रक्षा मंत्री की हरी झंडी

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली | रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) द्वारा प्रस्ताव को मंजूरी दिए जाने के बाद, भारत फ्रांस से 114 राफेल जेट खरीदने के लिए तैयार है, जिसकी अनुमानित लागत 3.25 लाख करोड़ रुपये है। सूत्रों के अनुसार, भारतीय नौसेना के लिए 6 पी8आई विमान खरीदने के सौदे को भी मंजूरी दे दी गई है। इस निर्णय से भारतीय वायु सेना की परिचालन और युद्धक क्षमताओं में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। यह निर्णय फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन की इसी महीने के अंत में भारत यात्रा से कुछ सप्ताह पहले आया है, और उम्मीद है कि इस सौदे पर उसी दौरान हस्ताक्षर किए जाएंगे।

यह मंजूरी ऐसे समय में आई है जब भारतीय वायु सेना की स्क्वाड्रन संख्या घटकर 29 रह गई है, जो स्वीकृत संख्या 42 से काफी कम है – दशकों में सबसे कम। 32 लाख करोड़ रुपये के इस प्रस्ताव को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन की आगामी यात्रा से पहले रक्षा खरीद बोर्ड (डीएसी) की मंजूरी मिल गई है। पिछले महीने रक्षा खरीद बोर्ड से मंजूरी मिलने के बाद, अब खरीद प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) से अंतिम मंजूरी की आवश्यकता होगी।

एक बार सौदा पूरा हो जाने पर, भारतीय वायु सेना लगभग 150 राफेल जेट विमानों का बेड़ा संचालित करेगी, जबकि भारतीय नौसेना 26 वाहक-संगत राफेल विमान शामिल करेगी।

केन-बेतवा लिंक परियोजना के विरोध में बिजावर में हिंसक प्रदर्शन

प्रदर्शनकारियों पर पानी की बौछार, पुलिस पर पथराव, अज्ञात लोगों पर मामला दर्ज

बिजावर। केन-बेतवा लिंक परियोजना के कारण प्रभावित ढोढऩ ग्राम के ग्रामीणों का विरोध तेज हो गया है। बांध निर्माण और विस्थापन के मुद्दे पर प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने तहसील परिसर और एसडीएम कार्यालय के सामने जमकर प्रदर्शन किया। स्थिति तनावपूर्ण होने पर रात में पुलिस ने वाटर कैनन से पानी की बौछार की, जिससे प्रदर्शनकारी भड़क उठे और पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया।

प्रदर्शनकारियों ने एसडीएम को भी घेर लिया, जिसके बाद पुलिस और प्रशासन बैकफुट पर नजर आए। सूत्रों के अनुसार पुलिस मुकाबला करने के बजाय पीछे हटी। घटना के बाद बिजावर थाने में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इसमें शासकीय कार्य में बाधा, पुलिस पर पथराव और चक्का जाम जैसी धाराएं लगाई गई हैं।

प्रदर्शन मुख्य रूप से केन-बेतवा लिंक परियोजना से विस्थापित होने वाले ढोढऩ ग्राम के लोगों द्वारा किया जा रहा था। वे मुआवजे और पुनर्वास की मांग को लेकर आक्रोशित हैं। पुलिस अब पथराव करने वालों की पहचान कर रही है और मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस के एलाउंसमेंट और समझाइश के बाद प्रदर्शनकारी अपने गंतव्य की ओर रवाना हो गए।

स्थिति फिलहाल नियंत्रण में बताई जा रही है, लेकिन क्षेत्र में तनाव बना हुआ है। प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है।

बिजावर एसडीएम ने दी सफाई

केन-बेतवा लिंक परियोजना से संबंधित नियमविरुद्ध मुआवजे की मांग को लेकर विगत मंगलवार को बिजावर में हुए प्रदर्शन एवं घटनाक्रम के संबंध में एसडीएम बिजावर विजय द्विवेदी ने विस्तृत जानकारी दी। एसडीएम ने बताया कि कुछ लोगों द्वारा आमजन को भड़काने का प्रयास किया जा रहा है, जबकि शासन द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार पात्र हितग्राहियों को लाभ प्रदान किया जा चुका है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि कोई पात्र व्यक्ति छूट गया है तो उसका सर्वे कर विस्तृत जांच की जाएगी और नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रदर्शन के दौरान कुछ प्रदर्शनकारी बारातियों से भी उलझ गए तथा मार्ग अवरुद्ध कर आमजन को परेशान किया गया। आम नागरिकों की सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के दृष्टिगत प्रशासन द्वारा वॉटर केनन का उपयोग किया गया।

झारखंड से लापता युवती को छतरपुर के निर्वाणा फाउंडेशन ने परिवार से मिलवाया

डिप्रेशन की शिकार ऋचा कुमारी 2 महीने बाद सुरक्षित लौटी घर

छतरपुर। झारखंड के जमशेदपुर से लापता हुई 28 वर्षीय ऋचा कुमारी को छतरपुर स्थित निर्वाणा फाउंडेशन के प्रयासों से उसके परिवार से सुरक्षित मिलवाया गया। निर्वाणा फाउंडेशन के संचालक संजय सिंह ने बताया कि यह युवती मानसिक स्थिति ठीक न होने के कारण घर से बिना बताए निकल आई थी और कई दिनों तक लावारिस हालत में भटकती रही।

ऋचा कुमारी 6 दिसंबर 2025 को अपने घर से मात्र 50 रुपये लेकर निकली थी और अपना मोबाइल फोन घर पर ही छोड़ आई थी। मां एवं भाई के निधन के कारण वह कई सालों से गंभीर डिप्रेशन से जूझ रही थी। 11 दिसंबर को दमोह में लावारिस अवस्था में कोतवाली पुलिस को मिली, जहां से उसे वन स्टॉप सेंटर पहुंचाया गया। वहां पूछताछ के दौरान वह अपने परिवार के बारे में कुछ नहीं बता पाई। सामाजिक न्याय विभाग के आदेश पर 31 दिसंबर को आश्रय के लिए छतरपुर के निर्वाणा फाउंडेशन भेज दिया गया।

फाउंडेशन में रहते हुए उसकी देखभाल की गई। शुरुआत में उसकी मानसिक स्थिति ठीक न होने के कारण वह बहुत गुस्सा होती, चिढ़चिढ़ाती रहती थी। धीरे-धीरे सुधार होने पर लगभग 15 जनवरी के आसपास उसने बताया कि मुझे जमशेदपुर ले चलो। 30 जनवरी को उसने जमशेदपुर के सुभाष चौक, पश्चिम मंदिर के पास का पता और एक मोबाइल नंबर लिखा तथा बताया कि उसका परिवार है।

संजय सिंह ने तुरंत उस नंबर पर संपर्क किया और परिवार वालों से बातचीत की। परिवार के सदस्य छतरपुर पहुंचे और ऋचा को घर ले गए। मिलन के दौरान परिवार के लोग भावुक हो उठे। ऋचा के पिता ने कहा, बिटिया मिल गई है, बहुत अच्छा लगा। यहां के सेवाभाव को देखकर आंसू आ गए। वहीं बहन गीता कुमारी ने बताया, बहुत ज्यादा खुश हूं। जब वह घर से निकली थी, तब से पूरा परिवार सदमे में था। हमें उम्मीद ही नहीं थी कि वह वापस मिल सकेगी।

विद्युत पेंशनर्स का धरना: पेंशन भुगतान की गारंटी और महंगाई राहत की मांग

छतरपुर। मध्य प्रदेश विद्युत मंडल पेंशनर संयुक्त मोर्चा की छतरपुर शाखा ने आज विद्युत विभाग के बाहर टेंट लगाकर दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक धरना प्रदर्शन किया। यह उनका द्वितीय चरण का आंदोलन है, जिसमें विद्युत पेंशनर्स अपनी प्रमुख दो मांगों को लेकर सरकार का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास कर रहे हैं। सुरेश बाबू खरे, प्रांतीय उपाध्यक्ष जबलपुर एवं छतरपुर शाखा के अध्यक्ष ने बताया कि पहले चरण में 23 दिसंबर 2025 को मुख्यमंत्री के नाम प्रत्येक जिले से ज्ञापन सौंपा गया था। इसके बावजूद अब तक कोई बैठक नहीं बुलाई गई और मांगों पर कोई सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा, हमारी मांगों पर सुझाव देने और पेंशन की गारंटी लेने की मांग को लेकर आज यह धरना दिया जा रहा है। यदि मांगें पूरी नहीं हुईं तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश शासन द्वारा विद्युत पेंशनर्स को पेंशन भुगतान की स्पष्ट और स्थायी गारंटी दी जाए। केंद्र सरकार की घोषणा के अनुसार प्रभावी तिथि एवं दर से महंगाई राहत का भुगतान किया जाए। संगठन ने स्पष्ट किया है कि वे सरकार से वार्ता के माध्यम से समाधान चाहते हैं।

छतरपुर जिले के लिए बड़ी सौगात : कलेक्टर के प्रयासों से आकांक्षी जिला छतरपुर को मिला खेल सुविधाओं का नया तोहफा

छतरपुर। छतरपुर शहर को खेल और युवा विकास के क्षेत्र में एक नई सौगात मिली है। नीति आयोग द्वारा आकांक्षी जिलों में शामिल छतरपुर जिले के लिए स्वीकृत बजट से सिंचाई कॉलोनी में 2 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण शुरू हो गया है। इस परियोजना का भूमिपूजन आज विधायक ललिता यादव और जिला कलेक्टर पार्थ जैसवाल ने संयुक्त रूप से किया। कलेक्टर पार्थ जैसवाल के विशेष प्रयासों और प्रभावी समन्वय से यह महत्वपूर्ण परियोजना मंजूर हुई, जो जिले के युवाओं को बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध कराएगी और राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभाओं को निखारने में मदद करेगी।

यह स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स मात्र 6 महीने में बनकर तैयार हो जाएगा। निर्माण कार्य की देखरेख में स्थानीय प्रशासन पूरी तत्परता से जुटा हुआ है। भूमिपूजन समारोह में एसडीएम अखिल राठौर, तहसीलदार पीयूष दीक्षित सहित अन्य अधिकारी और ठेकेदारगण मौजूद रहे।

यह परियोजना छतरपुर जिले के खेल जगत के लिए मील का पत्थर साबित होगी, जहां युवा विभिन्न खेलों में प्रशिक्षण लेकर आगे बढ़ सकेंगे। कलेक्टर पार्थ जैसवाल ने कहा कि जिले को आकांक्षी जिला बनने का लाभ मिल रहा है और ऐसी परियोजनाएं युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं।

पातालेश्वर धाम से बागेश्वर धाम तक निकली विशाल पदयात्रा

सामूहिक कन्या विवाह में सहयोग और धार्मिक जागरण का संदेश

महाराजपुर। बागेश्वर धाम में आयोजित होने वाले सामूहिक कन्या विवाह कार्यक्रम को लेकर पातालेश्वर धाम सरकार, बुडरख से एक विशाल पदयात्रा निकाली गई। यह पदयात्रा महंत रामदास जी महाराज के सानिध्य में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न हुई।

पातालेश्वर धाम से प्रारंभ हुई यह पदयात्रा भक्ति और उत्साह का अनुपम संगम बनकर उभरी। सैकड़ों श्रद्धालु हाथों में भगवा ध्वज लिए, जयकारे लगाते हुए और भजन-कीर्तन के साथ बागेश्वर धाम की ओर बढ़ते नजर आए। पदयात्रा का मुख्य उद्देश्य बागेश्वर धाम में होने वाले सामूहिक कन्या विवाह में सहयोग प्रदान करना तथा धार्मिक-सांस्कृतिक जागरूकता का संदेश समाज तक पहुंचाना था।

मार्ग में विभिन्न स्थानों पर पदयात्रियों का जोरदार स्वागत किया गया। श्रद्धालुओं के लिए जलपान, विश्राम और स्वल्पाहार की उचित व्यवस्था की गई। विशेष रूप से विक्रमपुर तिगैला में समाजसेवी गोली चौबे ने पदयात्रियों के लिए स्वल्पाहार आदि की व्यवस्था कर उत्साह बढ़ाया। पूरे मार्ग में आस्था और उत्साह का अद्भुत माहौल देखने को मिला।

इस अवसर पर महंत रामदास महाराज ने कहा, सामूहिक कन्या विवाह जैसे पुण्य कार्य में समाज के हर वर्ग को आगे आकर सहयोग करना चाहिए। यह हमारी संस्कृति और सामाजिक जिम्मेदारी का प्रतीक है।

नगरपालिका के नाम पर अवैध वसूली का बड़ा मामला, दो आरोपी गिरफ्तार

छतरपुर। नगरपालिका के नाम पर बिना किसी ठेके के वाहनों से अवैध वसूली करने के आरोप में दो लोगों को नगरपालिका टीम ने पकड़ा है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान राजेन्द्र नायक और अनुज अवस्थी के रूप में हुई है। यह घटना सिविल लाइन थाना क्षेत्र के पन्ना नाका के वेयरहाउस के पास हुई, जहां वे फर्जी रसीदें काटकर वाहन चालकों से पैसे वसूल रहे थे। ट्रक चालकों ने बताया कि आरोपी गाली-गलौज करते हुए मारने तक दौड़ते थे। नगरपालिका की टीम ने मौके पर कार्रवाई करते हुए दोनों को हिरासत में लिया और पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। नगरपालिका की सीएमओ माधुरी शर्मा ने स्पष्ट किया कि नगरपालिका का इस तरह का कोई ठेका या अनुबंध नहीं चल रहा है। फर्जी रसीदें भी बरामद की गई हैं। सूत्रों के अनुसार यह अवैध वसूली पिछले 6 महीनों से चल रही थी। पुलिस का कहना है कि एफआईआर दर्ज की जा रही है और आगे की जांच में सभी पहलुओं की पड़ताल की जाएगी।

बड़ामलहरा में बच्चों के विवाद ने लिया हिंसक रूप

लाठी-डंडों व फरसे से हमला, एक युवक गंभीर रूप से घायल

छतरपुर। जिले के बड़ामलहरा थाना क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 08 में बच्चों के बीच हुए मामूली खेल-खेल के विवाद ने बुधवार दोपहर को खूनी झड़प का रूप ले लिया। इस घटना में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें एक की हालत चिंताजनक बताई जा रही है।

घटना के प्रत्यक्षदर्शियों और घायलों के परिजनों के अनुसार दोपहर करीब 1:30 बजे कल्ली खटीक (26 वर्ष) पुत्र हेतराम खटीक और मजले खटीक के बच्चे वीरू परमार के बच्चों के साथ खेल रहे थे। खेल के दौरान बच्चों में कहासुनी और छोटा-मोटा विवाद हो गया। परिजनों का आरोप है कि इसी छोटे विवाद को लेकर वीरू परमार, सुरेन्द्र परमार, उत्तम सिंह और विजय सिंह शराब के नशे में धुत होकर कल्ली खटीक के घर पहुंचे। आरोपियों ने लाठी-डंडों तथा फरसे से जमकर हमला कर दिया। हमले में कल्ली खटीक और मजले खटीक को गंभीर चोटें आईं। क्षेत्र में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई।

घटना के तुरंत बाद दोनों घायल बड़ामलहरा थाने पहुंचे, जहां उन्होंने आरोपियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने घायलों का प्राथमिक मेडिकल परीक्षण बड़ामलहरा अस्पताल में करवाया।

गंभीर हालत में कल्ली खटीक को बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल छतरपुर रेफर कर दिया गया। कल्ली खटीक 11 फरवरी को दोपहर करीब 2 बजे जिला अस्पताल छतरपुर पहुंचे, जहां इमरजेंसी में ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर नीरज सोनी ने उन्हें ट्रॉमा वार्ड में भर्ती कर उपचार शुरू किया। बड़ामलहरा पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी है और आरोपियों की तलाश कर रही है। फिलहाल क्षेत्र में तनाव का माहौल बना हुआ है। पुलिस ने घटना को गंभीरता से लेते हुए आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

भाजपा ने पं दीनदयाल उपाध्याय की पुण्य तिथि मनाई, मुख्य वक्ताओं का हुआ उद्बोधन

छतरपुर। भारतीय जनता पार्टी के पितृ पुरुष पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर आज भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय पार्क छतरपुर में जिला अध्यक्ष चंद्रभान सिंह गौतम, विधायक ललिता यादव, नगर पालिका अध्यक्ष ज्योति सुरेंद्र चौरसिया की विशेष उपस्थिति में पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर पुण्यतिथि को समर्पण दिवस के रूप में मनाया गया। भाजपा के जिला मीडिया प्रभारी अरविन्द बुंदेला ने बताया कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय की के चित्र पर पुष्पांजलि के उपरांत जिला अध्यक्ष चंद्रभान सिंह गौतम ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर विस्तार से बताया। इस अवसर पर प्रदेश कार्यसमिति सदस्य बृजेश चौरसिया, जिला महामंत्री सुरेंद्र चौरसिया, बृजेश राय, वरिष्ठ नेता जयराम चतुर्वेदी, जिला उपाध्यक्ष अशोक दुबे, जिला मंत्री कमलेश राय, भागीरथ पटेल, कोषाध्यक्ष विवेक उप्पल, कार्यालय मंत्री अरविंद त्रिपाठी, मीडिया प्रभारी अरविन्द बुंदेला, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष उर्मिला साहू, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष नीरज चतुर्वेदी, खेल प्रकोष्ठ के संयोजक दीपेंद्र सिंह बुंदेला, पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष मनीष कुशवाहा, पूर्व कोषाध्यक्ष प्रदीप सक्सेना, रिंकू अवस्थी, मण्डल अध्यक्ष रविन्द्र मिश्रा, नीरज मिश्रा, महामंत्री सुनील वर्मा, रुपेश अवस्थी, उपाध्यक्ष भूपेन्द्र, गोलू रावत, पार्षद दिलीप रैकवार, रेखा सुनील वर्मा, पूर्व पार्षद पुष्पा चौरसिया, बलजीत कौर, विवेक जैन, निखिल ताम्रकार सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता गण मौजूद रहे।

स्वामी विवेकानंद जैसे युगों युगों तक याद रहेंगे धीरेंद्र शास्त्री महाराजः मलूक पीठाधीश्वर

» बागेश्वर धाम बन गया सामाजिक परिवर्तन का केंद्रः महामहिम राज्यपाल

» सप्तम कन्या विवाह महोत्सव में संतो सहित विशेष अतिथियों की लग रही हाजरी

छतरपुर। बागेश्वर धाम में बुंदेलखंड का महाकुंभ अपने चरमोत्कर्ष पर है। बुधवार को मलूक पीठाधीश्वर पूज्य राजेंद्र दास महाराज, असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य सहित अन्य विशिष्ट अतिथियों एवं संतों ने अपनी हाजिरी लगाई बालाजी के दर्शन करने के पश्चात सभी ने मंच से लाखों श्रद्धालुओं को आशीर्वाद दिया और कन्या विवाह महोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए सभी बेटियों को वैवाहिक जीवन की बधाई दी। मलूक पीठाधीश्वर राजेंद्र दास देवाचार्य महाराज ने कहा कि जिस तरह से स्वामी विवेकानंद जी ने पूरे विश्व में सनातन की पताका फहराई थी। इसी तरह युवा संत के रूप में बागेश्वर महाराज सनातन का कार्य कर रहे हैं। बागेश्वर महाराज को उनके कार्यों के साथ युगों युगों तक याद किए जाएंगे। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने कहा कि बागेश्वर धाम में 301 बेटियों का कार्य अत्यंत पवित्र और पुण्य तथा महिमामय है। परमार्थ के कार्य के लिए ही साधु वेश में भगवान धरती पर आते हैं। उन्होंने कहा कि बागेश्वर महाराज किसी बेटी के माता-पिता, किसी के अभिभावक और किसी के संरक्षक बनाकर कार्य कर रहे हैं। मानवीय करुणा और सांस्कृतिक मूल्यों की वजह से उन्हें दुनिया में याद किया जा रहा है। उन्होंने कहा की बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के साथ-साथ बागेश्वर धाम से बेटी को सजाओ का संदेश दिया जा रहा है। महामहिम राज्यपाल ने कहा कि बागेश्वर धाम अब सामाजिक परिवर्तन का केंद्र बन गया है। संतो के साथ महामहिम राज्यपाल ने गौशाला जाकर गौ दर्शन और गौ पूजन किया। इस अवसर पर गंगा दास महाराज, हनुमान गढ़ी के महंत राजू दास महाराज सहित अन्य संत उपस्थित रहे।

समाज की निधि समाज को समर्पितः बागेश्वर महाराज

बागेश्वर धाम पीठाधीश पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने सभी संतो, अतिथियों का स्वागत करते हुए अपनी वाणी से कहा कि समाज के माध्यम से जो धनराशि प्राप्त होती है एवं मंदिर में जो भी चढ़ोतरी आती है वह गरीब बेटियों के विवाह में लगाई जाती है।

समाज से प्राप्त होने वाली निधि को समाज को ही समर्पित किया जाता है। उन्होंने कहा कि सभी मंदिरों से इस तरह का संदेश जाएगा तो कोई भी पिता अपनी बेटी को बोझ नहीं समझेगा। उन्होंने कहा कि महात्मा जिनकी बाह पकड़ लेते हैं भगवान उनका कभी साथ नहीं छोड़ते।

आठ देशों के राजदूतों सहित संत, महापुरुष देंगे बेटियों को आशीर्वाद

बागेश्वर महाराज ने मीडिया को बताई आयोजन की विस्तृत रूपरेखा

छतरपुर। बागेश्वर धाम में शुरू हो चुके 10 दिवसीय कन्या विवाह महोत्सव को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति मिल चुकी है। बागेश्वर धाम पीठाधीश पं. धीरेंद्र शास्त्री ने बुधवार को मीडिया संवाद के माध्यम से हल्दी से पाणिग्रहण संस्कार तक की जानकारी से अवगत कराया। महाराज जी ने बताया कि अमेरिका सहित आठ देशों के राजदूत बेटियों को आशीर्वाद देने बागेश्वर धाम आ रहे हैं। इसके अलावा देशभर के महापुरुष, प्रख्यात संत एवं राजपीठ के लोग भी बेटियों को सुखमय जीवन का आशीर्वाद देंगे। उन्होंने बताया कि 10 दिवसीय सप्तम कन्या विवाह महोत्सव में 3 दिन का विशेष उत्सव आयोजित हो रहा है। 13 से 15 फरवरी तक का समय विशेष उत्सव का है। 13 फरवरी को हल्दी की रस्म होगी। 14 फरवरी को मेहंदी की रस्म और 15 फरवरी को विवाह होगा। दूर की बेटियों को एक दिन पहले बुलवाया गया है।

बेटियों को यह मिलेगा उपहार

बेटियों को उपहार के रूप में श्री बालमुकुंद भगवान का विग्रह, बालाजी सरकार का विग्रह, श्री रामचरितमानस, वस्त्र, श्री बागेश्वर धाम कैलेंडर, गाय बछड़ा दिए जाएंगे इसके अलावा अन्य सामग्री में मंगलसूत्र, पायल, बिछिया, नाक की कील, कान की बाली टॉप्स, 7 साडिय़ों का सेट, चांदी का सिक्का, श्रीफल चांदी कवर सहित, श्रृंगार दानी, चूड़ी सेट, डबल बेड, सोफा, ड्रेसिंग टेबल, अलमारी, गद्दे तकिया कवर सहित, बेडशीट, कंबल, ट्रॉली बैग, कलर एलइडी टीवी, सिलाई मशीन, सीलिंग फैन, वॉटर हिटर, इलेक्ट्रिक प्रेस, दीवाल घड़ी, गैस सिलेंडर, गैस चूल्हा, बर्तन सेट, प्रेशर कुकर, कलश स्टील, टिपारा, सूपा, खिचड़ी, बेला कांसा, मिक्सर ग्राइंडर, पानी का थर्मस, स्टील जग, लेडीज पर्स, रोल गोल्ड अंगूठी, अल्युमिनियम का मग्गा शामिल है। इस बार 30 हजार की एफडी की जा रही है जो वर और वधू के संयुक्त नाम से होगी।

वर वधु पक्ष के स्वागत के साथ शुरू होगा विवाह महोत्सव

15 फरवरी को वर पक्ष एवं वधु पक्ष का स्वागत होगा। सभी को स्वल्पाहार मिलेगा। इसके बाद दूल्हे को घोड़ी पर बैठाकर उनकी बारात निकाली जाएगी। सभी दूल्हे आयोजन स्थल पर पहुंचेंगे। इसके बाद 50-50 जोड़ों के वरमाला होंगे। वरमाला के बाद वर वधु को मंडप में पहुंचाया जाएगा। हर मंडप का एक प्रभारी रहेगा। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विद्वान ब्राह्मण विवाह की अन्य रस्में संपन्न कराएंगे। पाणिग्रहण संस्कार के बाद बेटियों की विदा होगी। वर वधू पक्ष को समूचे कार्यक्रम में हिस्सा लेने में कोई कठिनाई न आए इसलिए सभी को कार्ड और वाहन पास उपलब्ध कराए गए हैं।

नेपाल के अलावा 10 राज्यों की 302 बेटियों का हुआ चयन

सप्तम कन्या विवाह महोत्सव में कुल 1648 फॉर्म आए थे जिनकी जांच करने पर 1233 फॉर्म सही पाए गए थे। जिन कन्याओं के विवाह होने हैं उनमें 60 बेटियां अनाथ है, आठ बेटियां दिव्यांग हैं। 138 बेटियां पितृ हीन, 28 बेटियां मातृहीन, 23 बेटियां वे हैं जिनके माता-पिता दिव्यांग हैं।

और 43 बेटियां अति गरीब परिवार से है। कुल 302 बेटियों में से 77 बेटियां अनुसूचित जाति, 28 अनुसूचित जनजाति,173 अन्य पिछड़ा वर्ग तथा 24 बेटियां सामान्य वर्ग से हैं। मध्य प्रदेश से 229, उत्तर प्रदेश से 56, दिल्ली, महाराष्ट्र से दो, नेपाल से एक के अलावा छत्तीसगढ़, राजस्थान, झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल हरियाणा से बेटियों का चयन हुआ है।

आईटीआई कैम्पस में रोजगार मेला आज

छतरपुर। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी नमःशिवाय अरजरिया ने बताया कि छतरपुर जिले के युवाओं को रोजगार से जोडऩे के लिए कलेक्टर पार्थ जैसवाल के निर्देश पर गुरूवार को आईटीआई छतरपुर में एक विशेष युवा रोजगार मेला आयोजित किया जा रहा है। इस मेले में एशिया सॉफ्ट टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी 50 युवाओं को रोजगार प्रदान करेगी। ये अवसर विशेष रूप से उन युवाओं के लिए हैं जो आईटीआई के ट्रेड इलेक्ट्रीशियन, वायरमैन एवं फिटर में उत्तीर्ण हैं। चयनित उम्मीदवारों को कंपनी द्वारा मासिक वेतन भी दिया जाएगा। इसी तरह, एचसीएल कंपनी 12वीं पास युवाओं के लिए एग्जाम लेकर भर्ती प्रक्रिया चलाएगी। वहीं, अभी 12वीं में पढ़ रहे छात्र विट्सविलानी में पात्रता परीक्षा देकर डिग्री प्राप्त कर सकेंगे।

शराब से 21 हजार करोड़ का राजस्व हासिल करने का लक्ष्य

मंत्रिमंडल समिति का नई आबकारी नीति पर मंथन

भोपाल (ईएमएस)। मप्र सरकार के आबकारी विभाग ने आबाकारी नीति 2026-27 का ड्राफ्ट तैयार कर लिया है। शासन की ओर से गठित तीन सदस्यीय मंत्रिमंडल समिति ने कैबिनेट की बैठक के बाद मंत्रालय में नई आबकारी नीति के ड्राफ्ट पर चर्चा की है। बैठक में डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा, स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री संपतिया उइके मौजूद रहीं। ड्राफ्ट पर चर्चा के दौरान मंत्रियों ने जरूरी सुझाव दिए, जिन्हें इसमें शामिल किया जाएगा। नई नीति में शराब

दुकानों की बिक्री से राजस्व का लक्ष्य बढ़ाकर 21,000 करोड़ रुपये करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। ज्यादा राजस्व प्राप्त करने के लिए नई नीति में शराब के अवैध निर्माण और अवैध परिवहन को रोकने के लिए सख्त प्रावधान किए गए हैं। नई आबकारी नीति में शराब दुकानों के चालू वित्त वर्ष के मूल्य में 10 से 15 प्रतिशत की वृद्धि करके ही दुकानों के आवंटन की कार्रवाई किया जाना प्रस्तावित है। सबसे पहले नवीनीकरण के जरिए दुकानें आवंटित होंगी। फिर लॉटरी के जरिए और इसके बाद ई-टेंडर के माध्यम से शराब दूकानों का तेका दिया जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि आबकारी नीति के ड्राफ्ट में जरूरी संशोधन के बाद इसे सीएम डॉ. मोहन यादव के समक्ष पेश किया जाएगा। सीएम की हरी झंडी मिलने के बाद इसे मंजूरी के लिए कैबिनेट बैठक में लाया जाएगा। नई आबकारी नीति एक अप्रैल, 2026 से लागू होगी। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक नई आबकारी नीति में मप्र आबाकारी अधिनियम-1915 में संशोधन का प्रावधान किया गया है। इसके अनुसार अधिनियम की वे कंडिकाएं समाप्त की जाएंगी, जो अब अव्यावहारिक हो गई हैं और जिनसे सरकार को अब राजस्व प्राप्त नहीं हो रहा है। नई नीति में शराब दुकानों की बिक्री से राजस्व का लक्ष्य बढ़ाकर 21,000 करोड़ रुपये करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। पिछली बार 18 हजार करोड़ राजस्व प्राप्ति का लक्ष्य रखा गया था। ज्यादा राजस्व प्राप्त करने के लिए नई नीति में शराब के अवैध निर्माण और अवैध परिवहन को रोकने के लिए सख्त प्रावधान किए गए हैं। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध रूप से शराब बेचे जाने की शिकायतों पर नियंत्रण के लिए संबंधित जिलों के अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जा रही है। नहीं बिकी दुकान तो ई टेंडर रहेगा जरिया नई आबकारी नीति में न कोई शराब दुकान बंद करने का प्रस्ताव है और न ही नई शराब दुकान खोला जाना प्रस्तावित है। आबकारी नीति 2025-26 में प्रदेश के 17 धार्मिक नगरों में शराब दुकानों को बंद करने का निर्णय लिया गया था। इससे इन शहरों की 47 शराब दुकानें बंद हो गई थी। नई नीति में पूर्व की तरह नर्मदा किनारे 5 किलोमीटर की परिधि में शराब दुकानें नहीं खोले जाने और धार्मिक व शैक्षणिक स्थलों से शराब दुकानों की दूरी पूर्व की तरह 100 मीटर निर्धारित रखा जाना प्रस्तावित किया गया है। मप्र में शराब दुकानों की कुल संख्या 3,558 है। ये सभी कंपोजिट दुकानें हैं। जिलों में जहरीली शराब की घटनाओं को रोकने के लिए सख्त प्रावधान किए गए हैं। साथ ही नीति में शॉपिंग मॉल में महंगी शराब के काउंटर खोला जाना भी प्रस्तावित किया गया है। इस संबंध में प्रस्ताव को हरी झंडी देने या नहीं देने को लेकर अंतिम निर्णय मुख्यमंत्री लेंगे। नई आबकारी नीति में शराब दुकानों के चालू वित्त वर्ष के मूल्य में 10 से 15 प्रतिशत की वृद्धि करके ही दुकानों के आवंटन की कार्रवाई किया जाना प्रस्तावित है। सबसे पहले नवीनीकरण के जरिए दुकानें आवंटित होंगी।

ओल्ड भोपाल हॉलसेल एवं होजरी व्यापारी संघ ने की चेंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारियों से चर्चा

भोपाल। चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष और पदाधिकारियों द्वारा व्यापारिक संस्थाओं के पदाधिकारियों से निरंतर चर्चारत हैं। आज पुराने शहर की ओल्ड भोपाल हॉलसेल एवं होजरी व्यापारी संघ के मध्य व्यापारिक समस्यायो को लेकर चर्चा हुई। मंत्री मनोज आर एम ने मुख्य समस्या अतिक्रमण पार्किंग को व्यवस्थित करने का ध्यान दिलाया। चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष गोविंद गोयल ने कहा मेरे परिवार के व्यापारियों के लिए हम लोगों को कुछ भी करना पड़े हम साथ हैं। उन्होंने कहा राजधानी के गण मान्य जन प्रतिनिधि भी व्यापारियों के हित के लिए पूरी तरह साथ हैं। इस मौके पर संस्था के अध्यक्ष अशोक माटा, संस्थापक अध्यक्ष मनोज बांगा, मंत्री मनोज आर एम, कोषाध्यक्ष अनुज जैन पारस, उपाध्यक्ष गुरुमुख चावला, सह सचिव मनीष जैन,

संजय मनवानी, सह कोषाध्यक्ष विष्णु बंसल द्वारा अध्यक्ष गोविंद गोयल एवं टीम का अभिवादन किया गया। इस मौके पर चैंबर ऑफ कॉमर्स के महामंत्री ललित तातेड, उपाध्यक्ष आदित्य मनिया, कमल पंजवानी, अरविंद जैन सुपारी, प्रदीप अग्रवाल, मंत्री संजीव गेहूं, अजय कोषाध्यक्ष प्रदीप सेवानी, कोषाध्यक्ष गोपाल सोनी ,अंतरित कोषाध्यक्ष अजय गुप्ता, कार्यकारिणी सदस्य सोनू भाभा, अनिल मिश्रा, मनोज साहू, आदित्य सिंघई, अमित जैन सी एस, रामेश्वर अग्रवाल, सचिन जैन, सचिन सगतानी, नवीन अग्रवाल, सुशील बाफना, अनुराग पवैया, आयुश मोदी ,दर्शन अग्रवाल, जवाहर कोटवानी आदि मौजूद थे।

अयोध्या बायपास चौड़ीकरण में टूटेगी झुग्गियां

परिवारों को प्रशासन के नोटिस; मांग- बिना विस्थापन किए नहीं हटाया जाए

भोपाल। भोपाल के अयोध्या बायपास को 10 लेन में बदला जा रहा है। इस परियोजना में कई दुकानें, मकान, धार्मिक स्थल और सरकारी भवन बाधा बन रहे हैं, जिन्हें हटाया जा रहा है। केसर बस्ती में भी करीब 90 झुग्गियों को हटाने की तैयारी है। प्रशासन ने परिवारों को नोटिस दिए हैं, लेकिन विस्थापन की उचित व्यवस्था नहीं की गई है। ऐसे में मांग उठ रही है कि बिना पुनर्वास के परिवारों को न हटाया जाए। नेशनल हाईवे-146 पर आशाराम तिराहा से रत्नागिरी तिराहे तक 16 किलोमीटर लंबी 10 लेन सडक का निर्माण किया जा रहा है। इसी दौरान आनंद नगर में एक फ्लाईओवर भी बनाया जाएगा। इसके लिए सडक किनारे की 146 दुकानें हटाई जा चुकी हैं। साथ ही तीन धार्मिक स्थलों, एक वार्ड कार्यालय और एक पुलिस चौकी को शिफ्ट किया जा रहा है। केसर बस्ती में

झुग्गियां हटाने की तैयारी सडक चौड़ीकरण के लिए अब केसर बस्ती की झुग्गियों को हटाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। यहां करीब 90 परिवार रह रहे हैं। कांग्रेस नेता रविंद्र साहू झूमरवाला, मोहित सक्सेना और रीतेश सोनी सहित अन्य लोग मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। रविंद्र साहू ने कहा कि ये परिवार लगभग 50 वर्षों से यहां रह रहे हैं। विकास जरूरी है, लेकिन गरीबों को बेघर कर यह कार्य नहीं होना चाहिए। उचित मुआवजा और पुनर्वास की मांग प्रशासन के नोटिस के बाद परिवार चिंतित हैं। उनका कहना है कि न तो उचित मुआवजा मिला है और न ही पुनर्वास की स्पष्ट व्यवस्था की गई है। प्रभावित परिवारों ने पहले पुनर्वास और मुआवजा सुनिश्चित करने की मांग की है।

अब विभाग सीधे स्कोरकार्ड से करेंगे अभ्यार्थियों का चयन

सरकारी भर्तियों का बदलेगा पैटर्न, ईसीबी लेगा केवल पात्रता परीक्षा

भोपाल। मप्र में सरकारी विभागों में भर्तियों का पैटर्न बदलेगा। अब ईसीबी (कर्मचारी चयन मंडल) केवल पात्रता परीक्षा लेगा। विभाग सीधे स्कोरकार्ड से चयन करेंगे। नई व्यवस्था का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। मुख्य सचिव के समक्ष प्रस्तुतीकरण के बाद सामान्य प्रशासन विभाग से सैद्धांतिक सहमति मिली है। अब इसे अंतिम मंजूरी के लिए कैबिनेट के सामने रखा जाएगा। नई प्रणाली के लागू होने से भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता आएगी। वर्तमान में भर्ती प्रक्रिया पूरी होने में लगभग एक से डेढ़ साल का लंबा समय लगता है। नई व्यवस्था के माध्यम से यह पूरी प्रक्रिया मात्र दो से ढाई महीने में पूरी की जा सकेगी। अभ्यर्थियों को भी अलग-अलग पदों के लिए बार-बार परीक्षा देने की मशक्कत से राहत मिलेगी। जानकारी के अनुसार, सरकारी भर्तियों के बदले इस पैटर्न से अब प्रदेश में युवाओं को महज 6 से 8 महीने में सरकारी नौकरियां मिल सकेंगी। सरकार इसके लिए जल्द ही नई व्यवस्था करने जा रही है। ये नौकरियां ईएसबी के स्कोर कार्ड के आधार पर मिलेंगी। ईएसबी इसके लिए एक मुख्य परीक्षा कराएगा। उक्त परीक्षा के बाद जारी स्कोर कार्ड दो से तीन साल के लिए वैध होगा। इसी के आधार पर संबंधित विभाग अपनी जरूरत और खाली पदों के आधार पर कम से कम समय में भर्तियां कर सकेंगे। ये स्कोर कार्ड तृतीय श्रेणी तक की भर्तियों के लिए वैध होंगे। इससे ऊपर के पदों को अलग-अलग भर्ती परीक्षाओं के तहत पहले की प्रक्रिया के समान ही भरा जाएगा।

संविदा शिक्षक भर्ती में हो चुका है प्रयोग

बता दें, पूर्व में संविदा शिक्षक भर्ती परीक्षाओं में उक्त प्रयोग को अमल में लाया जा चुका है। तब उक्त भर्तियों को भरने के लिए व्यापमं (अब नाम ईएसबी हो चुका है) ने परीक्षा ली थी और स्कोर कार्ड जारी किए थे। इसके आधार पर अभ्यर्थियों ने एक से अधिक पदों के लिए अलग-अलग जिलों में आवेदन किए थे। अभ्यर्थियों के द्वारा मुख्य परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर ही उनकी नियुक्ति के लिए मेरिट तैयार की जाती है। अब अन्य पदों पर भी यही व्यवस्था लागू होने के बाद काफी हद तक भर्तियों में लगने वाले समय को कम कर अभ्यर्थियों का खर्च भी कम किया जा सकेगा।

ऐसी होगी नई व्यवस्था

ईएसबी की नई व्यवस्था के अनुसार, अब एक मुख्य परीक्षा होगी, जिसमें तृतीय श्रेणी तक के करीब 90 प्रतिशत पदों को कवर किया जाएगा। इस श्रेणी में तकनीकी व वित्त से जुड़े पदों के लिए अलग-अलग प्रश्न-पत्र होंगे। मुख्य परीक्षा में प्राप्तांक से तैयार स्कोर कार्ड 2-3 साल वैध होगा। यदि कोई अभ्यर्थी अपना स्कोर सुधारना चाहता है तो उसके लिए फिर परीक्षा दे सकेंगे, लेकिन इसके सीमित अवसर होंगे। प्रदेश में अभी सरकार विभागों की जरुरत के हिसाब से अलग-अलग परीक्षाएं कराती है, ये परीक्षा ईएसबी करता है। इस तरह साल भर युवा परीक्षा ही देते रहते हैं, जिनमें शुल्क के रूप में रुपए लगते हैं, समय भी बर्बाद होता है। स्कोर कार्ड की प्रक्रिया को संविदा शिक्षक भर्ती में पहले ही उपयोग लाया जा चुका है।

तुक्केबाजी पर लगाम कसने की तैयारी

सरकार पहली बार ईएसबी की परीक्षा में तुक्केबाजी पर लगाम कसने जा रही है। विभागीय सूत्रों के अनुसार, यदि कोई अभ्यर्थी चार प्रश्नों के जवाब गलत देगा तो उसका एक अंक कटेगा। ऐसा इसलिए क्योंकि ईएसबी की परीक्षा में कई अभ्यर्थी तुक्केबाजी से प्रश्नों के जवाब देते हैं। इसमें कुछ सफल भी हो जाते हैं और मेहनत करने वालों का हक मारा जाता है।

रीवा-सीएसएमटी स्पेशल का जून-2026 तक विस्तारित

भोपाल। यात्रियों की सुविधा और यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से भोपाल मंडल के इटारसी होकर रीवा-सीएसएमटी-रीवा के बीच दिनांक 26.02.2026 तक संचालित होने वाली साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन के फेरे दोनों दिशाओं में 17-17 ट्रिप बढाए गए है। अब यह स्पेशल गाड़ी रीवा से प्रत्येक गुरूवार 26 जून तक तथा मुम्बई (सीएसएमटी) से प्रत्येक शुक्रवार 27 जून,2026 तक चलेगी । रीवा-सीएसएमटी-रीवा स्पेशल ट्रेन- गाड़ी संख्या 02187 रीवा-सीएसएमटी स्पेशल ट्रेन गुरूवार रीवा से 15.50 बजे प्रस्थान कर इटारसी 23.20 बजे आगमन कर अगले दिन 12.20 बजे छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पहुँचेगी इसी प्रकार वापसी में गाड़ी संख्या 02188 सीएसएमटी-रीवा स्पेशल ट्रेन शुक्रवार छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से 13.30 बजे प्रस्थान कर इटारसी अगले दिन 01.15 बजे आगमन कर सुबह 09.45 बजे रीवा पहुँचेगी। ठहराव स्टेशन- सतना, मैहर, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, गाडरवारा, पिपरिया, इटारसी, हरदा, खंडवा, भुसावल, जलगाँव, मनमाड, नासिक, इगतपुरी, कल्याण, दादर । कोच संरचनाः 1 वातानुकूलित प्रथम श्रेणी,1 वातानुकूलित टू टियर, 4 वातानुकूलित-थ्री टियर, 12 शयनयान श्रेणी, 4 सामान्य द्वितीय श्रेणी, 2 द्वितीय श्रेणी-सह-गार्ड की ब्रेक वैन सहित कुल 24 कोच । इस स्पेशल ट्रेन की विस्तृत जानकारी के लिए कृपया डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू. इनक्वारी. इंडियनरेल. जीओव्ही. इन पर जाएं या एनटीईएस ऐप से प्राप्त कर सकते है।

बजट सत्र से पहले सरकार ने फिर लिया 5 हजार करोड़ का कर्ज

कमलनाथ बोले- भाजपा ने मप्र को कर्ज प्रदेश बना दिया, उमंग सिंघार ने भी साधा निशाना

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र से ठीक पहले मोहन सरकार ने बाजार से 5 हजार करोड़ रुपये का नया कर्ज उठा लिया है। यह पिछले एक सप्ताह में लिया गया दूसरा बड़ा कर्ज है। इससे पहले 4 फरवरी को सरकार 5300 करोड़ रुपये का कर्ज ले चुकी थी। प्रदेश में लगातार बढ़ते कर्ज को लेकर विपक्ष राज्य सरकार पर हमलावर हो गई है। पूर्व सीएम कमलनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ट्वीट कर मोहन सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाते कहा कि भाजपा राज्य को कर्ज के बोझ में डुबो रही है। कमलनाथ ने एक्स पर ट्वीट करते हुए लिखा कि भारतीय रिजर्व बैंक की ताजा रिपोर्ट के अनुसार मध्य प्रदेश के ऊपर 5, लाख करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज हो चुका है और मध्य प्रदेश के ऊपर देश के कुल कर्ज.का 5 प्रतिशत हिस्सा हो गया है। भाजपा की सरकार ने कितनी तेजी से मध्य प्रदेश को कर्ज के दलदल में डुबाया है, इस बात का अंदाजा इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि 2007 में मध्यप्रदेश के ऊपर 52,

हजार करोड़ रुपये का कर्ज था जो करीब दस गुना बढकर 5,00,000 करोड़ की सीमा को पार कर गया है। भाजपा सरकार अपनी फिजूलखर्ची और इवेंट बाजी पर सरकारी खजाने को लुटा रही है। आम जनता कभी कफ सीरप में जहर, तो कभी विषाक्त जल पीने से बेमौत मारी जा रही है और सरकारी खजाना बुनियादी जरूरतों की पूर्ति की जगह भ्रष्टाचार पर खर्च किया जा रहा है। मैंने पहले भी आगाह किया है और एक बार फिर दोहराता हूँ कि मध्य प्रदेश सरकार को अपनी राजकोषीय स्थिति के बारे में गंभीरता से विचार करना चाहिए और जनहित में इसमें सुधार करने की जरूरत है।

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भी साधा निशाना

उमंग सिंघार ने एक्स पर ट्वीट करते हुए लिखा कि बजट सत्र से ठीक पहले मध्यप्रदेश सरकार द्वारा एक सप्ताह में दूसरी बार 5,000 करोड़ रुपये का कर्ज लिया जाना अत्यंत गंभीर विषय है। चालू वित्त वर्ष में अब तक 67,300 करोड़ रुपये की उधारी और 36 बार कर्ज लिया जाना राज्य की वित्तीय स्थिति पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। हाल ही में जारी आरबीआई की रिपोर्ट ने भी प्रदेश की वास्तविक आर्थिक तस्वीर उजागर की है देश के कुल कर्ज का लगभग 5 प्रतिशत हिस्सा अकेले मध्यप्रदेश पर है। यह स्थिति चिंताजनक है और सरकार की वित्तीय दिशा पर पुनर्विचार की मांग करती है। सरकार स्पष्ट करे कि इस भारी उधारी का ठोस वित्तीय रोडमैप क्या है? आगामी बजट सत्र में बढ़ते कर्ज, ब्याज के बढ़ते बोझ और वित्तीय प्रबंधन की पारदर्शिता पर सरकार से विस्तृत जवाब मांगा जाएगा।

मप्र के हर किसान परिवार पर 74,420 का कर्ज

केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लोकसभा में दी जानकारी

भोपाल। देश के अन्नदाता की आर्थिक स्थिति पर संसद में पेश की गई ताजा रिपोर्ट में मध्य प्रदेश के किसानों की मिली-जुली तस्वीर सामने आई है। केंद्र सरकार के आंकड़ों के अनुसार, मध्य प्रदेश के प्रति कृषक परिवार पर औसत बकाया ऋण 74,420 है। यह आंकड़ा राष्ट्रीय औसत (74,121) के लगभग बराबर है, लेकिन दक्षिण भारत और पड़ोसी राज्य राजस्थान के मुकाबले यहां के किसान कम कर्जदार हैं। टीएमसी सांसद कालिपद सरेन खेरवाल के सवाल के जवाब में केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने यह जानकारी दी। आंकड़ों का विश्लेषण करें तो मध्य प्रदेश में किसानों की स्थिति कर्ज के मामले में कई राज्यों से बेहतर है। जहां पड़ोसी राज्य राजस्थान में प्रति किसान परिवार कर्ज का बोझ 1,13,865 है, वहीं मध्य प्रदेश में यह 74,420 पर टिका है। हालांकि, छोटे राज्यों जैसे छत्तीसगढ़ (21,443) की तुलना में एमपी के किसानों पर कर्ज का दबाव अधिक है। आंकड़ों के मुताबिक, भारत में प्रति कृषक परिवार पर औसत बकाया ऋण 74,121 है। चौंकाने वाली बात यह है कि दक्षिण भारतीय राज्यों के किसान कर्ज के मामले में उत्तर भारत के मुकाबले कहीं आगे हैं ।

केसीसी का कर्ज 10 लाख करोड़ के पार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सदन में बताया कि 30 सितंबर 2025 की स्थिति के अनुसार किसान क्रेडिट कार्ड के तहत बकाया धनराशि 10.39 लाख करोड़ तक पहुंच गई है। हालांकि सरकार ने स्पष्ट किया कि 1 फरवरी 2026 तक का एकदम सटीक डेटा उपलब्ध नहीं है, क्योंकि पिछला बड़ा सर्वेक्षण साल 2019 में ही किया गया था। किसान कल्याण वर्ष और जीरो ब्याज योजना बढ़ते कर्ज और खेती की लागत को देखते हुए मध्य प्रदेश की मोहन यादव सरकार ने वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष घोषित किया है। सरकार की ओर से किसानों को राहत देने के लिए कई बड़े कदम उठाए गए हैं। प्रदेश में किसानों को जून 2026 तक 0 प्रतिशत ब्याज पर फसल ऋण मिलता रहेगा। समय पर कर्ज चुकाने वाले किसानों को 4 प्रतिशत अतिरिक्त ब्याज अनुदान भी दिया जाएगा। सरकार ने सहकारी बैंकों के उन किसानों को फिर से मुख्यधारा में लाने की योजना बनाई है जो कर्ज के कारण डिफॉल्टर हो गए थे। नर्मदा-क्षिप्रा और अन्य नदी जोड़ो परियोजनाओं के जरिए प्रदेश में सिंचाई का रकबा बढ़ाने का लक्ष्य है, ताकि खेती को लाभकारी बनाया जा सके।

मप्र में भी बढ़ रहा किसान क्रेडिट कार्ड का दायरा

आंकड़ों के मुताबिक, किसान क्रेडिट कार्ड कर्ज का सबसे बड़ा माध्यम बनकर उभरा है। मध्य प्रदेश में भी ग्रामीण बैंकों और सहकारी समितियों के माध्यम से केसीसी का वितरण तेजी से हुआ है। सरकार का कहना है कि यह कर्ज किसानों की निवेश क्षमता बढ़ाता है, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि फसलों के उचित दाम और प्राकृतिक आपदाओं के कारण यह कर्ज किसानों के लिए बोझ बन जाता है।

जिला प्रभारियों की परफॉर्मेंस से तय होगा उनका भविष्य

निगम-मंडल और प्राधिकरणों में भी की जा सकती है इनकी नियुक्ति

भोपाल। निगम-मंडल और प्राधिकरण में नियुक्ति का इंतजार कर रहे और प्रदेश प्रभारी बना दिए गए भाजपा नेताओं के लिए अब भी चांस है। यानि वे पद की दौड़ से बाहर नहीं हुए हैं। भोपाल में हुई जिला प्रभारियों की बैठक में इस तरह का इशारा इन नेताओं को मिला है। उधर पंचायत नगर पालिका समेत तीन साल बाद होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडलवाल ने जिले के प्रभारियों को नया टास्क भी दे दिया है। माना जा रहा है कि प्रभारियों को दिए गए इस टास्क के रिजल्ट पर ही उनकी परफार्मेंस रिपोर्ट तय होगी। तीन साल बाद होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए प्रभारियों को टास्क दिया गया। भाजपा ने इस बार कमजोर बूथों पर अभी से पकड़ मजबूत करने की तैयारी शुरू कर दी है। बीते दिनों जब मध्य प्रदेश में भाजपा ने जिला प्रभारियों की सूची जारी की थी। उस वक्त ये माना जा रहा था कि ये पूर्व विधायक से लेकर पूर्व सांसद तक प्रभारी की जवाबदारी संभाल चुके इन नेताओं के पुर्नवास के बाद अब निगम मंडल के आकांक्षी नेताओं की सूची छोटी हो जाएगी। लेकिन

भोपाल भाजपा मुख्यालय में हुई भाजपा के प्रदेश प्रभारियों की बैठक में इन नेताओं को ये संकेत दिया गया कि नई जवाबदारी के बाद भी वे निगम-मंडल की रेस से बाहर नहीं हुए हैं। जानकारी के मुताबिक बैठक में इन नेताओं से ये कहा गया है कि आप लोगों को जिला प्रभारी का दायित्व दिया गया इसका मतलब ये कतई नहीं है कि आप आगे किसी भी पद की दौड़ से बाहर हो गए हैं। अयोग्यता का पैमाना केवल एक है कि आप अपनी जवाबदारी में कोताही बरत जाएं। जो जिम्मेदारी आपको दी गई है, जो टास्क आपके सामने है, उसे पूरा करने के लिए जुट जाएं। जब वहां आपकी परफार्मेंस बिगड़ेगी तब आप डिस्क्वालीफाई हो सकते हैं। आपकी योग्यता पर प्रश्न चिह्न लग सकता है।

विधानसभा चुनाव के लिए अभी से टास्क

तीन साल बाद होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने अभी से तैयारी शुरू कर दी है। भाजपा इस बार पार्टी चुनाव प्रभारियों के जरिए एक पूरा नेटवर्क खड़ा करने जा रही है जो अभी से चुनावी एक्शन प्लान पर काम करेगा। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष खंडेलवाल ने प्रदेश प्रभारियों की एक पूरी टीम तैयार कर ली है जो विधानसभा चुनाव से काफी पहले इलेक्शन के एक्शन मोड में आकर काम करेगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा में नेता महत्वपूर्ण नहीं होता है हमेशा काम महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने बताया कि जिला प्रभारी आगामी नगर पालिका, पंचायत और विधानसभा चुनाव को लेकर 3 साल का रोडमैप में तैयार करेंगे। ये टास्क उन्हें दिया गया है। जिला प्रभारी ही कमजोर बूथ और मंडलों को भी मजबूत करेंगे।

पॉवर फुल होंगे जिला प्रभारी

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि पार्टी संगठन जो भी निर्णय लेगा उसमें जिला प्रभारी की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। नियुक्तियों में भी जिला प्रभारी का अहम रोल होगा। चुनाव के दौरान भी जिला प्रभारी महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। चुनाव के दौरान भी समन्वय तालमेल के साथ जिला अध्यक्ष जिला प्रभारी के साथ काम करेंगे। जिला प्रभारी की नई जिम्मेदारी में आए पूर्व विधायक पुष्पेन्द्र नाथ पाठक कहते हैं, पार्टी में जिला प्रभारी की व्यवस्था पुरानी है। लेकिन जवाबदारियां और बढ़ी हैं।

|| संपादकीय ||

ब्राह्मण-दलित-पिछड़ों को लड़ा बीजेपी से हारी बाजी जीतना चाहता है विपक्ष

उत्तर प्रदेश की राजनीति में हिन्दुत्व की लहर ने योगी सरकार और भारतीय जनता पार्टी को ऐसी मजबूत नींव दे दी है कि विपक्षी दल अब हताशा के दौर से गुजर रहे हैं। प्रदेश में भाजपा समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और बहुजन समाज पार्टी जैसे दलों के मुकाबले अभेद्य किले की तरह खड़ी नजर आ रही है। हिन्दुत्व के सहारे ही भाजपा आगामी विधानसभा चुनाव में फिर से सत्ता की कमान संभालना चाहती है। लेकिन विपक्षी नेताओं ने अब एक सोची-समझी चाल चली है। वे हिन्दू समाज को ही आपस में बांटने की साजिश रच रहे हैं। हर उस मुद्दे को हवा दी जा रही है जो हिन्दुओं के बीच फूट डाल सके। कभी ब्राह्मणवाद के नाम पर आक्रोश भड़काया जाता है तो कभी दलितों और पिछड़ों पर अत्याचार के रोने से सियासी माहौल गरमाया जाता है। अपराधियों को भी अब जाति के चश्मे से देखा जाने लगा है। यह सब कुछ हिन्दू एकता को चूर करने की गहरी चाल है।

प्रदेश की सियासत को करीब से देखें तो साफ पता चलता है कि भाजपा ने हिंदुत्व को ऐसा हथियार बनाया है जो विपक्ष के सारे तीरों को विफल कर देता है। राम मंदिर निर्माण से लेकर गौ रक्षा तक हर मुद्दे पर हिन्दू समाज एकजुट हो गया। योगी आदित्यनाथ की सरकार ने कानून-व्यवस्था को पुख्ता कर अपराधियों पर नकेल कसी तो हिन्दू समाज में विश्वास जगा। लेकिन विपक्ष अब उसी समाज को तोड़ने पर तुला है। समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी के नेता ब्राह्मणों को भाजपा विरोधी बताने की मुहिम चला रहे हैं। वे कहते हैं कि भाजपा में ब्राह्मणों की उपेक्षा हो रही है। पुरानी घटनाओं को उछालकर ब्राह्मण युवकों को भड़काया जा रहा है। एक तरफ ब्राह्मण सम्मेलनों में नारे लगवाए जाते हैं तो दूसरी तरफ दलित सभाओं में ब्राह्मणों पर अत्याचार के किस्से गढ़े जाते हैं। यह दोहरी चाल हिन्दू समाज के दो बड़े वर्गों में वैमनस्य पैदा कर रही है।

दलित और पिछड़े वर्गों को भी निशाना बनाया जा रहा है। विपक्षी दल दावा करते हैं कि योगी सरकार में दलितों और पिछड़ों पर जुल्म हो रहे हैं। हर छोटी-मोटी घटना को जातिगत रंग देकर प्रचारित किया जाता है। उदाहरण के तौर पर कुछ महीने पहले एक घटना घटी जहां पुलिस ने अपराधी को पकड़ा। विपक्ष ने तुरंत चिल्लाना शुरू कर दिया कि वह दलित था और भाजपा सरकार ने उसे फंसाया। सच्चाई यह थी कि अपराधी ने कई हत्याएं की थीं लेकिन जाति का लबादा ओढ़ाकर उसे शहीद बनाने की कोशिश हुई। इसी तरह पिछड़े वर्ग के अपराधियों को भी संरक्षण देने की मुहिम चलाई गई। समाजवादी पार्टी के कुछ नेता खुले तौर पर कहते हैं कि अपराधी कोई भी हो, उसकी जाति को बचाना जरूरी है। इससे हिन्दू समाज में पिछड़ों और अन्य वर्गों के बीच खाई पैदा हो रही है।

कांग्रेस भी इस खेल में पीछे नहीं है। वह ब्राह्मण-दलित कार्ड खेल रही है। पार्टी के नेता पुरानी शिकायतें दोहराते हैं कि भाजपा सवर्णों की ही सरकार है। वे हिन्दू समाज को चार हिस्सों में बांटने की कोशिश कर रहे हैं। कभी जाट बनाम गुर्जर का मुद्दा उठता है तो कभी राजपूतों को ठाकुरों से लड़ाने की चेष्टा होती है। अपराध के मामलों को जाति से जोड़ना सबसे खतरनाक है। प्रदेश में अपराधी किसी भी जाति का हो सकता है लेकिन विपक्ष उसे जाति का चेहरा बना देता है। अगर अपराधी ब्राह्मण है तो ब्राह्मणवाद का ढोल पीटा जाता है। दलित अपराधी पर तो अत्याचार का रोना रोया जाता है। पिछड़ा अपराधी हो तो पिछड़ों की दुर्दशा का बखान किया जाता है। इससे समाज में नफरत का बीज बोया जा रहा है। हिन्दू समाज जो सदियों से एकजुट रहा, अब उसके टुकड़े करने की साजिश रची जा रही है।

यह साजिश नई नहीं है। विपक्ष हमेशा से जातिवाद का सहारा लेता रहा है। लेकिन अब यह हिंदुत्व के खिलाफ सीधी जंग है। भाजपा ने हिन्दू समाज को जाति से ऊपर उठाकर एक सूत्र में बांधा है। योगी सरकार की योजनाएं सबके लिए हैं। दलितों के लिए विशेष छात्रावास, पिछड़ों के लिए आरक्षण में इजाफा और ब्राह्मणों के लिए संस्कृत विद्यालय। लेकिन विपक्ष इन तथ्यों को नजरअंदाज कर अफवाहें फैला रहा है। हाल ही में एक जिले में दलित युवक की मौत पर विपक्ष ने ब्राह्मणों पर आरोप लगाए। जांच में साफ हुआ कि यह पारिवारिक झगड़ा था लेकिन सियासी फायदा उठाने के लिए जाति का जहर घोला गया। ऐसे कई उदाहरण हैं जहां अपराध को जातिगत संघर्ष का रूप दिया गया। लखनऊ से लेकर वाराणसी तक सभाओं में यही जहर परोसा जा रहा है।

विपक्ष की यह चाल उल्टी पड़ रही है। हिन्दू समाज जागरूक हो गया है। सोशल मीडिया पर लोग इन साजिशों को बेनकाब कर रहे हैं। भाजपा कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर एकता का संदेश दे रहे हैं। योगी आदित्यनाथ ने कई बार खुलकर कहा है कि हिन्दू एकता ही प्रदेश की ताकत है। विपक्ष की जातिवादी राजनीति अब जनता को भाती नहीं। 2024 के लोकसभा चुनाव में भी यही देखने को मिला। जहां विपक्ष ने जाति कार्ड खेला, वहां भाजपा ने हिन्दुत्व से जवाब दिया। अब 2027 के विधानसभा चुनाव में भी यही होगा। लेकिन विपक्ष हार मानने को तैयार नहीं। वे और तीव्रता से हिन्दुओं को बांटने की कोशिश करेंगे। अपराधियों को जाति का चोला पहनाकर सड़कों पर उतारेंगे। ब्राह्मणों को भड़काएंगे, दलितों को उकसाएंगे और पिछड़ों को भटकाएंगे।

यह साजिश सिर्फ सियासी नहीं, समाज को कमजोर करने वाली है। हिन्दू समाज अगर बंट गया तो प्रदेश की प्रगति रुक जाएगी। योगी सरकार ने बुनियादी ढांचे को मजबूत किया है। एक्सप्रेसवे बने, हवाई अड्डे बढ़े, निवेश आया लेकिन एकता ही सबकी कुंजी है। विपक्ष को समझना चाहिए कि जनता अब जाति के जाल में नहीं फंसती। वे चाहे जितना चिल्लाएं, हिन्दुत्व की दीवार अटल है। ब्राह्मण, दलित, पिछड़ा, क्षत्रिय सब एक हैं। राम के भक्त एक हैं। विपक्ष की साजिशें नाकाम होंगी। प्रदेश फिर भाजपा के हाथों सशक्त होगा। हिन्दू समाज को सावधान रहना होगा। इन फूट डालने वाली चालों से बचना होगा। एकता बनाए रखें, तभी सच्ची विजय होगी।

क्या है Right to Recall और किन देशों में लागू, अभी किसने की डिमांड और कब-कब उठ चुका यह मुद्दा?

> भारत का संविधान सांसदों और विधायकों को हटाने के लिए महाभियोग जैसी प्रक्रिया नहीं देता है. हालांकि राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और जजों के लिए महाभियोग का प्रावधान है. इसी आधार पर राइट टू रिकॉल की मांग उठती रही है कि जब ऊंचे संवैधानिक पदों को हटाने का नियम है, तो जनता को अपने प्रतिनिधि के लिए ऐसा अधिकार क्यों नहीं है?

हम हर पांच साल में वोट देकर अपने सांसद और विधायक चुनते हैं, लेकिन अगर वही नेता चुनाव जीतने के बाद जनता से दूर हो जाए तो क्या किया जा सकता है? क्या वोटर के पास उसे बीच कार्यकाल में हटाने का कोई हक है? इसी सवाल ने एक बार फिर देश की राजनीति में हलचल मचा दी है. राज्यसभा में 'राइट टू रिकॉल' की मांग उठी है. यह अधिकार क्या है, कहां लागू है और भारत में इसे लेकर बहस क्यों तेज हो रही है, आइए समझते हैं.

क्या है राइट टू रिकॉल, किसने उठाया मुद्दा और क्यों हो रही चर्चा? - लोकतंत्र में जनता अपने प्रतिनिधि को चुनती है, लेकिन मौजूदा व्यवस्था में सांसद या विधायक को हटाने का अधिकार सीधे जनता के पास नहीं होता है. 'राइट टू रिकॉल' यानी जनप्रतिनिधि को वापस बुलाने का अधिकार एक ऐसी व्यवस्था है, जिसमें मतदाता अपने चुने हुए प्रतिनिधि को कार्यकाल पूरा होने से पहले ही पद से हटा सकते हैं.

हाल ही में आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने संसद में यह मुद्दा उठाया था. उन्होंने कहा कि अगर कोई सांसद या विधायक अपने काम से जनता को संतुष्ट नहीं कर पा रहा है, तो मतदाताओं को उसे हटाने का अधिकार मिलना चाहिए. उनके इस बयान के बाद राजनीतिक गलियारों में नई बहस शुरू हो गई है.

कैसे काम करता है राइट टू रिकॉल? - राइट टू रिकॉल एक लोकतांत्रिक प्रक्रिया है. इसमें किसी क्षेत्र के मतदाता एक तय प्रक्रिया के तहत हस्ताक्षर अभियान शुरू करते हैं. अगर तय संख्या में लोग लिखित रूप से मांग करते हैं, तो उस जनप्रतिनिधि के खिलाफ दोबारा मतदान कराया जा सकता है. आप एमपी राघव चड्ढा ने सुझाव दिया कि इस अधिकार के दुरुपयोग को रोकने के लिए कुछ सुरक्षा उपाय जरूरी हैं. जैसे- पहले 35 से 40 प्रतिशत मतदाताओं के हस्ताक्षर से याचिका दायर हो. प्रतिनिधि को कम से कम 18 महीने काम करने का मौका मिले. इसके बाद अगर 50 प्रतिशत से ज्यादा मतदाता हटाने के पक्ष में वोट दें, तभी उसे पद से हटाया जाए.

किन देशों में लागू है यह व्यवस्था? - राइट टू रिकॉल पूरी दुनिया में बहुत आम नहीं है, लेकिन कुछ देशों में यह लागू है. अमेरिका के कई राज्यों में स्थानीय स्तर पर यह प्रावधान है. स्विट्जरलैंड और कुछ लैटिन अमेरिकी देशों में भी इस तरह की व्यवस्था मौजूद है. भारत में राष्ट्रीय या राज्य स्तर पर यह लागू नहीं है, लेकिन राजस्थान और कर्नाटक जैसे राज्यों में पंचायत स्तर पर राइट टू रिकॉल का प्रावधान है. यानी ग्राम प्रधान या स्थानीय निकाय के प्रतिनिधि को मतदाता वापस बुला सकते हैं.

भारत में पहले कब उठा मुद्दा? - राइट टू रिकॉल कोई नया विचार नहीं है. 1944 में स्वतंत्रता सेनानी और विचारक एम.एन. रॉय ने सबसे पहले इस अवधारणा की बात की थी. 1974 में जयप्रकाश नारायण ने 'संपूर्ण क्रांति' आंदोलन के दौरान इसे लागू करने की वकालत की थी. 2006 से 2019 के बीच राहुल चिमनभाई मेहता ने 'राइट टू रिकॉल पार्टी' के जरिए इस मुद्दे को लगातार उठाया. लोकसभा के पूर्व अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी ने भी अतीत में इसका समर्थन किया था.

यानी यह मांग समय-समय पर उठती रही है, लेकिन अब तक इसे व्यापक स्तर पर लागू नहीं किया गया है.

क्या भारत में संभव है बदलाव? - भारत का संविधान सांसदों और विधायकों को हटाने के लिए महाभियोग जैसी प्रक्रिया नहीं देता है. हालांकि राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और जजों के लिए महाभियोग का प्रावधान है. इसी आधार पर राइट टू रिकॉल की मांग उठती रही है कि जब ऊंचे संवैधानिक पदों को हटाने का नियम है, तो जनता को अपने प्रतिनिधि के लिए ऐसा अधिकार क्यों नहीं है?

पाकिस्तान की नौटंकी खत्म

पाकिस्तान की यही नियति थी। उसे इसी तरह चाटना था। उसने सिर्फ बांग्लादेश की पैरोकारी और अंततः 'मुस्लिम ब्रदरहुड' की खातिर टीम इंडिया से मैच खेलने का बहिष्कार किया था। यह टी-20 विश्व कप का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का आयोजन है। पाकिस्तान हो या कोई अन्य देश हो, इस आयोजन के बेमानी बहिष्कार के मायने गंभीर और संवेदनशील होते हैं। देश अपनी पहचान तक खो सकते हैं, लंबी पाबंदियां झेलनी पड़ सकती हैं और आर्थिक नुकसान असहनीय होता है। पाकिस्तान ने 1970-71 के दौर में बांग्लादेश के 'मुक्ति संग्राम' के दौरान लाखों बेगुनाह लोगों की लाशें बिछाई थीं, औरतों के साथ वहशी बलात्कार किए गए थे, बच्चों के कत्लेआम किए गए थे, बांग्लादेश उस दौर को कैसे भूल सकता है? पाकिस्तान के साथ नए रिश्तों की पींगें कैसे बढ़ा सकता है? कोई तानाशाह, संवेदनहीन व्यक्ति भी इन सवालों के जवाब नहीं दे सकता। बहरहाल पाकिस्तान की विडंबना देखिए कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी ऐलान किया था कि उनकी क्रिकेट टीम भारत के साथ मैच नहीं खेलेगी, लेकिन दो दिन बाद ही उन्हें अपनी नौटंकी वापस लेनी पड़ी कि दोस्तों का आग्रह है, लिहाजा 15 फरवरी को भारत-पाकिस्तान मैच में उनकी टीम खेलेगी। कितना बौना, असहाय, नासमझ है पाकिस्तान का वजीर-ए-आजम! यह बौनापन इसलिए भी गौरतलब और चिंतनीय है, क्योंकि पाकिस्तान का 'संवैधानिक शाह' जनरल मुनीर और उसके साले, पाक गृहमंत्री, पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी अंदरूनी तौर पर चाहते थे कि भारत के साथ मैच खेला जाना चाहिए। लिहाजा कुछ शर्तों का भी ढोंग किया गया। मसलन-आईसीसी निर्देश दे कि भारत-पाक द्विपक्षीय श्रृंखला खेली जाए।

बेशक श्रृंखला का आयोजन किसी तटस्थ मैदान पर किया जाए। आईसीसी भारत, पाक, बांग्लादेश क्रिकेट की त्रिपक्षीय श्रृंखला के लिए भी निर्देश दे। यह भी शर्त रखी गई कि टीम इंडिया बांग्लादेश का दौरा करे। गौरतलब यह है कि आईसीसी ने तीनों ढोंगिया शर्तें खारिज कर दीं और साफ किया कि यह उसका विशेषाधिकार नहीं है। आईसीसी ने भारत के साथ मैच खेलने का पाकिस्तान का आखिरी फैसला जानना चाहा। ये औपचारिकताएं अंतरराष्ट्रीय मंच पर करनी जरूरी हैं। अलबत्ता पीसीबी को आगाह किया गया कि यदि मैच का बहिष्कार किया जाता है, तो उसे करीब 315 करोड़ रुपए का नुकसान झेलना पड़ सकता है। पाकिस्तान पर कई पाबंदियां थोपी जा सकती हैं। आईसीसी मैचों की मेजबानी की सूची से उसे बाहर किया जा सकता है। पाकिस्तान को कुल करीब 1000 करोड़ रुपए की चपत लग सकती है। आखिर भूखा, नंगा, कटोरा देश इतने बड़े नुकसान की भरपाई कैसे कर सकता है? सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, चीन, तुर्किए सरीखे देशों ने 'उधारी' देने से इंकार कर दिया है, बल्कि चीन तो कर्ज के पैसे वापस मांग रहा है। ऐसे हालात के तहत घबराते, डरते, कांपते हुए पीसीबी को मैच खेलने की हामी भरनी पड़ी। आईसीसी ने इतना जरूर माना कि टी-20 विश्व कप से हटने पर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड पर कोई जुर्माना नहीं लगाया जाएगा। सहमति यह भी बनी कि 2031 से पहले बांग्लादेश किसी आईसीसी आयोजन की मेजबानी करेगा। दरअसल यह विषय इसलिए बेहद गंभीर है, क्योंकि आईसीसी के राजस्व में से मात्र 6 फीसदी से भी कम हिस्सा पीसीबी का है, जबकि बीसीसीआई को 38 फीसदी हिस्सा दिया जाता है। यह भी एक कारण था, जो आईसीसी पाकिस्तान के बहिष्कार से नाराज थी। हालांकि पीसीबी ने 15 फरवरी का मैच कोलंबो (श्रीलंका) में खेलने की रजामंदी दे दी है, लेकिन कुछ भारतीय पाक से क्रिकेट नहीं चाहते।

टेक्नोलॉजी

बार-बार डिस्कनेक्ट हो रही है वाईफाई? ये हो सकते हैं कारण, जानिए फिक्स करने के तरीके

आप स्ट्रीमिंग, गेमिंग या ऑफिस के ऑनलाइन मीटिंग कर रहे हैं और अचानक से वाई-फाई कनेक्शन ड्रॉप हो जाए तो पूरा काम ही खराब हो जाता है. इससे न सिर्फ आपके काम पर असर पड़ता है बल्कि समय भी खराब होता है. अगर यह दिक्कत रोजाना आने लगे तो न तो गेमिंग का मन करता है और न ही कोई मूवीज या वेब सीरीज देखने का. लेकिन इसके पीछे क्या कारण हो सकते हैं? आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि वाई-फाई के बार-बार डिस्कनेक्ट होने के क्या-क्या कारण हो सकते हैं और उन्हें कैसे फिक्स किया जा सकता है.

ज्यादा डिवाइस हो सकते हैं कनेक्ट - अगर आपका कनेक्शन बार-बार ड्रॉप हो रहा है तो इसका एक कारण आपकी वाईफाई से ज्यादा डिवाइस कनेक्टेड होना हो सकता है. भले ही कनेक्टेड डिवाइस कोई डेटा यूज नहीं कर रहे हैं, लेकिन ये बैंडविड्थ को कंज्यूम करते हैं. अगर इनकी संख्या ज्यादा है तो आपका कनेक्शन ड्रॉप हो सकता है. इसे फिक्स करने के लिए गैर-जरूरी डिवाइसेस को डिस्कनेक्ट कर दें.

राउटर की लोकेशन - स्ट्रॉन्ग वाईफाई कनेक्शन के लिए राउटर की लोकेशन बहुत जरूरी है. अगर आपका डिवाइस राउटर से ज्यादा दूरी पर है तो कनेक्शन ड्रॉप होने की समस्या आ सकती है. इसी तरह अगर राउटर किसी इलेक्ट्रॉनिक्स डिवाइस के पीछे लगा है तो भी इसका कनेक्शन वीक हो सकता है. इससे बचने के लिए राउटर को ऐसी जगह पर रखें, जहां से डिवाइस तक बिना ज्यादा बाधा के कनेक्शन पहुंच सके.

राउटर का पुराना होना - अगर कनेक्टेड डिवाइस लिमिट करने और राउटर की लोकेशन चेंज करने के बाद भी कनेक्शन ड्रॉप हो रहा है तो आपको राउटर बदलने की जरूरत है. दरअसल, कई पुराने राउटर नई सर्विसेस के कंपैटिबल नहीं होते. इस कारण एक बार रिसेट करने के बाद ये कुछ समय तक चलते हैं, लेकिन फिर से दिक्कत आने लगती है. अगर आपके साथ ऐसा हो रहा है तो नया राउटर लेना ही सबसे फायदेमंद ऑप्शन है.

जनरल नॉलेज

ब्लड मून के दौरान चांद का रंग क्यों हो जाता है लाल, जानें क्या है इसकी साइंटिफिक वजह

> ब्लड मून रात के समय में दिखने वाले सबसे शानदार नजारों में से एक है. टोटल लूनर एक्लिप्स के दौरान चांद पूरी तरह से गायब नहीं होता बल्कि यह गहरे लाल, कॉपर या नारंगी रंग में चमकने लगता है. लेकिन ऐसा आखिर क्यों होता है? आइए जानते हैं क्या है इस सवाल का जवाब.

टोटल लूनर एक्लिप्स की भूमिका - ब्लड मून टोटल लूनर एक्लिप्स के दौरान होता है. जब पृथ्वी सूरज और चांद की सीधी रेखा के बीच आ जाती है तब ब्लड मून होता है. इस अलाइनमेंट में पृथ्वी चांद तक सीधी धूप पहुंचने से रोकती है. हालांकि चंद पूरी तरह से अंधेरे में नहीं डूबता. इसके बजाय कुछ धूप अभी भी उस तक पहुंचती है. लेकिन यह धूप सिर्फ पृथ्वी के एटमॉस्फियर से गुजरने के बाद चांद तक पहुंचती है.

रेड लाइट क्यों बची रहती है? - सूरज की रोशनी सफेद दिख सकती है लेकिन यह असल में सात रंगों से बनी होती है. जब सूरज की रोशनी पृथ्वी के एटमॉस्फियर में आती है तो छोटी वेवलेंथ वाले नीले और बैंगनी रंग हवा के मॉलिक्यूल से टकराने के बाद आसानी से बिखर जाते हैं. इस प्रक्रिया को रेले स्कैटरिंग कहते हैं. यही वजह है कि दिन में आसमान नीला दिखता है.

हालांकि लाल और नारंगी रोशनी की वेवलेंथ लंबी होती है. वे काफी कम स्कैटर करती हैं और एटमॉस्फियर में ज्यादा अच्छे से ट्रेवल कर सकती हैं. इस वजह से चंद्र ग्रहण के दौरान चांद की तरफ झुकने वाली ज्यादातर रोशनी लाल या नारंगी होती है.

चांद की तरफ रोशनी का झुकना - भले ही धरती सीधी धूप को रोकती है लेकिन इसका एटमॉस्फियर एक बड़े लेंस की तरह काम करता है. एटमॉस्फियर धरती के किनारों के आसपास बची हुई लाल रोशनी को मोड़ता है और उसे चांद की सतह की तरफ रीडायरेक्ट करता है. इस वजह से सीधी धूप से रोशन होने के बजाय चंद उस धूप से रोशन होता है जो धरती के एटमॉस्फियर से फिल्टर होकर मुड़ी होती है.

लाल रंग का शेड क्यों बदलता है? - दरअसल हर ब्लड मून एक जैसा नहीं दिखता. कभी-कभी यह चमकीला नारंगी दिखता है. कभी यह गहरा लाल या फिर भूरा भी दिखता है.

यह अंतर पृथ्वी के वायुमंडल में धूल, धुएं और प्रदूषण की मात्रा पर निर्भर करता है. बड़े ज्वालामुखी विस्फोटों के बाद या भारी वायुमंडलीय कणों के समय ज्यादा रोशनी रुक जाती है या फिर फिल्टर हो जाती है. इससे चांद ज्यादा गहरा और ज्यादा खून जैसा लाल दिखाई देता है.

77 फाइटर जेट, 23 टारगेट, 12 हजार किलो विस्फोटक... पाकिस्तान बॉर्डर के पास दिखेगी एयरफोर्स की ताकत

एजेंसी नई दिल्ली

पाकिस्तान बॉर्डर के पास जब इंडियन एयरफोर्स के 77 फाइटर जेट, 43 हेलिकॉप्टर और 8 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट के साथ एक्सरसाइज वायुशक्ति में शामिल होंगे तो ये ऑपरेशन सिंदूर की भी झलक देंगे। 27 फरवरी को राजस्थान के पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में एयरफोर्स की एक्सरसाइज वायु शक्ति होगी। ये 2 घंटे 35 मिनट तक चलेगी। 23 टारगेट होंगे और करीब 12 हजार किलो विस्फोटक का इस्तेमाल होगा। एयरफोर्स के वाइस चीफ एयर मार्शल नागेश कपूर ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर का संदेश साफ था कि आतंकवाद को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हमारी जमीन पर होने वाली हर आतंकी घटना का जवाब दिया जाएगा और इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। एक्सरसाइज वायु शक्ति के दौरान ऑपरेशन सिंदूर में की गई सटीक टारगेटिंग की झलक भी देखने को मिलेगी।एक्सरसाइज वायुशक्ति का मकसद एयरफोर्स की कैपेबिलिटी और ऑपरेशंस तैयारियों का प्रदर्शन करना है ताकि देश को अपनी फोर्स की ताकत पर पूरा भरोसा रहे। वायु शक्ति के लिए इसके पास के जैसलमेर, फलौदी, उत्तरलाई और जोधपुर एयरबेस एक्टिव रहेंगे। साथ ही हिंडन और बड़ोदरा से भी एयरक्राफ्ट शामिल होंगे। इसमें दिन और रात दोनों वक्त की ऑपरेशन क्षमता दिखाई जाएगी। कुल 23 टारगेट होंगे। जिसमें स्ट्रैटजिक टारगेट, टेक्टिकल टारगेट, सर्फेस टारगेट और एरियल टारगेट भी होंगे। वायुशक्ति एक्सरसाइज की तैयारी तेज 277 वेपन इस एक्सरसाइज में इस्तेमाल किए जाएंगे। वायु शक्ति में फाइटर जेट राफेल, सुखोई-30, मिग-29, तेजस, जगुवार शामिल होंगे साथ ही अपाचे अटैक हेलिकॉप्टर, एलसीएच प्रचंड, चिनूक और एएलएच भी होगा। इसमें सेनाओं का इंटीग्रेशन भी दिखेगा। इसलिए एम-777 और एयर डिफेंस गन एल-70 के साथ ही स्पेशल फोर्स के कमांडो भी एक्सरसाइज का हिस्सा होंगे। पहली बार सी-295 को ऑपरेशनल रोल में दिखाया जाएगा। एयरफोर्स वाइस चीफ ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान राफेल निश्चित रूप से हीरो रहा। क्या एयरफोर्स को 114 और राफेल मिल रहे हैं इस पर वाइस चीफ ने कहा कि एयरफोर्स और एमआरएफए (मल्टी रोल फाइटर एयरक्राफ्ट) शामिल करने की योजना बना रही है। यह राफेल भी हो सकता है या कोई और विमान, इस पर अभी विचार चल रहा है और अंतिम फैसला लिया जाना बाकी है। पाकिस्तान के किराना हिल्स पर 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान हुई स्ट्राइक के बारे में पूछने पर एयर मार्शल नागेश कपूर ने कहा कि हमने आतंकी ठिकानों और पाकिस्तान की कई सैन्य ठिकानों पर हमला किया था। यह बिल्कुल सही है। लेकिन जो वीडियो दिख रहे हैं, जो ओपन सोर्स से हैं, क्या उन्होंने वे खुद बनाए हैं, वे क्या दिखाने की कोशिश कर रहे हैं, ये हमें नहीं पता। वहां जो धमाका हुआ, वह हमने किया या वहां की इंसरजेंसी की वजह से हुआ और किस वेपन से हुआ, हमें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। एयर मार्शल नागेश कपूर ने आगे कहा कि ये किराना हिल्स वाले वीडियो उनकी तरफ से ही जारी किए गए हैं, उन्होंने ही बनाए हैं, हमने वहां कुछ नहीं किया। हमने सिर्फ आतंकी और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। वायुशक्ति एक्सरसाइज के जरिए एयरफोर्स पाकिस्तान या चीन को क्या संदेश देना चाहती है, इस पर वाइस चीफ ने कहा कि हमारा काम अपनी क्षमताओं और ऑपरेशनल तैयारियों का प्रदर्शन करना है। इसे जो लोग देख रहे हैं वे इसमें से क्या संदेश लेना चाहते हैं, यह उन पर निर्भर है।

'रिंग ऑफ फायर' का नजारा बस एक सप्ताह बाद, साल के पहले सूर्यग्रहण की 7 बड़ी बातें जानिए

एजेंसी वॉशिंगटन

दुनिया भर के खगोल वैज्ञानिक और अंतरिक्ष में दिलचस्पी रखने वाले साल के पहले सूर्यग्रहण को देखने की तैयारी कर रहे हैं। यह दुर्लभ खगोलीय घटना इसी महीने होने वाली है जब सूरज कुछ देर के लिए धुंधला हो जाएगा। इसके चलते दुनिया के कुछ हिस्सों में यह आसमान में आग के छल्ले की तरह नजर आएगा। इसे रिंग ऑफ फायर इफेक्ट कहा जाता है। सूर्यग्रहण का यह प्रकार तब होता है, जब चांद पृथ्वी से अपने सबसे दूर वाले बिंदु पर या उसका आस-पास होता है। आइए साल के पहले सूर्यग्रहण के बारे में अहम बातें जानते हैं।

1- साल का पहला सूर्यग्रहण 17 फरवरी को होने जा रहा है। उस दिन जब चंद्रमा सूर्य और पृथ्वी के बीच से होकर गुजरेगा, तो हमारे सूरज का बड़ा हिस्सा ढंक जाएगा।

2- यह एक वलयाकार सूर्यग्रहण होगा, जो रिंग ऑफ फायर का शानदार नजारा दिखाएगा। दरअसल चंद्रमा पृथ्वी के सबसे दूर बिंदु पर होने के चलते सूरज को पूरी तरह नहीं ढंक पाएगा। इसके सूर्य की डिस्क का बाहरी हिस्सा जलता हुआ दिखाई देगा।

3- नासा की रिपोर्ट के अनुसार, रिंग ऑफ फायर का समय सुबह 7.12 बजे (अमेरिकी समयानुसार) शुरू होगा और 1 मिनट 52 सेकंड तक चलेगा। इसके बाद चांद की छाया सोलर डिस्के से धीरे-धीरे हट जाएगी।

4- साल के पहले सूर्यग्रहण को सिर्फ कुछ ही लोग देख पाएंगे। रिंग ऑफ फायर इफेक्ट का मार्ग अंटार्कटिका के हिस्से से होकर गुजरेगा। हालांकि, यह नजारा बर्फीले महाद्वीप पर रहने वाले लाखों पेंगुइन को कन्फ्यूज कर सकता है।

5- इसके अलावा दक्षिणी अमेरिका के सबसे दक्षिणी छोर और दक्षिण अफ्रीका के साथ प्रशांत, अटलांटिक और हिंद महासागर के कुछ हिस्सों में आंशिक सूर्यग्रहण दिखाई देगा, जिसमें चंद्रमा सूर्य को काटता हुए जाएगा।

6- भारत से इस शानदार घटना को नहीं देखा जा सकेगा क्योंकि सूर्यग्रहण का मार्ग अंटार्कटिका से होकर गुजर रहा है।

7- अंटार्कटिका में भी इसे देखने वाले बहुत कम लोग होंगे। ग्रहण के रास्ते में केवल दो रिसर्च स्टेशन हैं, जहां पर वैज्ञानिक रहते हैं।

सूर्यग्रहण क्या है?

सूर्यग्रहण एक खगोलीय घटना है, जो उस समय होती है जब धरती का चंद्रमा चक्कर लगाते हुए सूर्य और पृथ्वी के बीच में आ जाता है। यह आसमान की अनोखी ज्योमेट्री की वजह से होता है। पृथ्वी का चांद आकार में सूरज से 400 गुना छोटा है। वहीं, चांद की तुलना में सूरज पृथ्वी से 400 गुना ज्यादा दूर है। इस कॉस्मिक संयोग की वजह से दोनों पिंड आसमान में हमारी आंख से एक ही साइज के दिखते हैं। ऐसे में जब चंद्रमा सूर्य के सामने आता है तो उसकी डिस्क को ढंक लेता है। इस यह घटना ही सूर्यग्रहण कहलाती है।

भारत के पड़ोस में चीन की दादागिरी तोड़ने की तैयारी में अमेरिका, बांग्लादेश को देगा बड़ा ऑफर, मानेगा ढाका

एजेंसी ढाका

अमेरिका बांग्लादेश में चीन की बढ़ती मौजूदगी को लेकर परेशान है। ऐसे में अमेरिका ने बांग्लादेश में चुनाव के बाद बनने वाली अगली सरकार को चीनी हथियारों के विकल्प के तौर पर अपना और सहयोगी देशों के एयर डिफेंस सिस्टम देने का प्लान बनाया है। बांग्लादेश में गुरुवार को आम चुनाव होंगे। इस चुनाव में मुख्य मुकाबला बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और जमात-ए-इस्लामी के नेतृत्व वाले गठबंधनों के बीच है। जुलाई 2024 में अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग को चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित किया गया है। तब से शेख हसीना भारत में शरण ली हुई हैं, जिससे चीन को बांग्लादेश में अपनी मौजूदगी बढ़ाने का मौका मिल गया है। चीन ने हाल में ही भारत की सीमा के नजदीक एक ड्रोन फैक्ट्री बनने के लिए बांग्लादेश के साथ समझौता किया है। इससे न सिर्फ भारत, बल्कि अमेरिका की भी परेशानी बढ़ गई है। बांग्लादेश, चीन के साथ मिलकर डेवलप किए गए मल्टीरोल कॉम्बैट एयरक्राफ्ट JF-17 थंडर फाइटर जेट खरीदने के लिए पाकिस्तान से भी बातचीत कर रहा है। इसके अलावा चीन दूसरे कई तरीके से बांग्लादेश को सैन्य रूप से मदद कर रहा है, जिसमें चटगांव में नौसैनिक अड्डे का विकास भी शामिल है। चीन ने बांग्लादेश को कम से कम दो पुरानी पनडुब्बियां भी गिफ्ट की हैं। इसके अलावा वह बांग्लादेशी सेना को ट्रेनिंग भी दे रहा है। बांग्लादेश में अमेरिकी राजदूत ब्रैंट टी क्रिस्टेंसन ने मंगलवार को एक इंटरव्यू में कहा कि अमेरिका दक्षिण एशिया में चीन के बढ़ते प्रभाव को लेकर परेशान है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका, चीन के साथ कुछ खास तरह के रिश्तों के खतरों के बारे में साफ-साफ बताने के लिए बांग्लादेशी सरकार के साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार है। उन्होंने ज्यादा डिटेल दिए बगैर कहा कि अमेरिका, बांग्लादेश को उसकी मिलिट्री क्षमता की जरूरतों को पूरा करने में मदद करने के लिए कई ऑप्शन देता है, जिसमें अमेरिकी सिस्टम और उसके साथी पार्टनर देशों के सिस्टम शामिल हैं, ताकि चीनी सिस्टम के विकल्प दिए जा सकें।

इस बीच चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा है कि बड़े स्ट्रेटेजिक पार्टनर के तौर पर, चीन और बांग्लादेश ने पॉलिटिकल, इकोनॉमिक और सिक्योरिटी फील्ड में सहयोग किया है, जिससे दोनों देशों को फायदा हुआ है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, "हमारा आपसी फायदे वाला और दोस्ताना सहयोग किसी तीसरे पक्ष के खिलाफ नहीं है, न ही हम किसी तीसरे पक्ष की दखलअंदाजी बर्दाश्त करेंगे।"

ईरान पर अमेरिकी हमले से क्यों डर रहे सऊदी और कतर, मुस्लिम प्रेम नहीं, खाड़ी देशों के संकट की वजह

एजेंसी तेहरान

अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम को लेकर बातचीत चल रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने धमकी दी है कि अगर बातचीत टूटती है तो वह मिसाइलों से लैस युद्धपोतों के एक और बेड़े को भेज देंगे। इस बीच खाड़ी के इलाके में जंग की बढ़ती आशंका से सऊदी अरब, कतर और ओमान जैसे पड़ोसी मुस्लिम देश डरे हुए हैं। एक्सपर्ट का कहना है कि सऊदी अरब, कतर और ओमान के अमेरिका के ईरान पर हमले या वहां के शासन के ढह जाने के डर की असल वजह मुस्लिम प्रेम नहीं बल्कि पूरे खाड़ी के इलाके में अस्थिरता के फैलने का खतरा है। अमेरिकी नौसेना और एयर फोर्स ने ईरान के चारों मौजूद अपने एयर बेस और हिंद महासागर में मौजूद एयरक्राफ्ट कैरियर की मदद से शिया देश को झुकाने पर लगी हुई है। वहीं ईरान ने भी साफ कर दिया है कि वह अमेरिका के आगे घुटने नहीं टेकेगा। इजरायल के नैशनल सिक्यॉरिटी स्टडीज के शोधकर्ता डॉक्टर योएल गुजानस्की ने इजरायली अखबार वाइनेट में छपे एक लेख में कहा कि अमेरिका ईरान के साथ बातचीत कर रहा है। उन्होंने कहा कि खाड़ी देशों और ईरान के करीबी देशों के दबाव में यह बातचीत हो रही है। डॉक्टर योएल ने कहा कि खाड़ी देशों का मानना है कि अगर इलाके में सैन्य संघर्ष छिड़ता है तो यह उनकी सुरक्षा, आधारभूत ढांचे और अर्थव्यवस्था के लिए सीधा खतरा होगा। पहले ऐसी उम्मीद थी कि खाड़ी के मुस्लिम खुलकर अपने विरोधी ईरान पर हमले का सपोर्ट करेंगे लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सऊदी अरब से लेकर खाड़ी के अन्य मुस्लिम देशों ने सार्वजनिक तौर पर ईरान पर हमले का विरोध किया है। इन देशों ने खुद को तटस्थ देश के रूप में पेश किया है। ये देश अब अमेरिका और ईरान के बीच पर्दे के पीछे से बातचीत करा रहे हैं ताकि हमले को टाला जा सके। खाड़ी देशों को सबसे बड़ा डर यह है कि ईरान उनके इलाके में मौजूद अमेरिकी बेस और अन्य महत्वपूर्ण ठिकानों को निशाना बना सकता है। साल 2019 में ईरान ने सऊदी अरब के अरामको तेल केंद्र पर हमला कर दिया था। वहीं यमन के हूतियों ने साल 2022 में यूएई पर मिसाइल हमला किया था। वहीं जून 2025 में ईरान ने कतर में अमेरिकी बेस पर एक सांकेतिक हमला करके अपनी ताकत का इजहार किया था। खाड़ी देशों के अधिकारियों को डर है कि ईरान इस बार ज्यादा भीषण हमला कर सकता है। इसी दौरान खाड़ी देशों को यह भी चिंता सता रही है कि अमेरिकी हमला बहुत अधिक सफल हो सकती है जिससे ईरान इस्लामिक शासन ढह सकता है। अगर ईरानी शासन का पतन होता है तो यह स्थिरता नहीं लाएगा बल्कि अराजकता को लाएगा। इससे आंतरिक संघर्ष शुरू हो जाएगा, संस्थाओं का पतन होगा, अतिवादी ताकतें मजबूत होंगी, शरणार्थियों की संख्या बढ़ेगी और इन संकटों के स्पष्ट हल का तरीका नहीं होगा। खाड़ी देशों ने यह भी कहा है कि वे ईरान पर हमला करने के लिए अपनी जमीन का इस्तेमाल नहीं होने देंगी। ये देश चाहते हैं कि एक समझौता हो ताकि ईरान के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम पर रोक लगाई जाए। इन देशों को ईरान की मिसाइलों का डर है और उनके पास इजरायल की तरह से आधुनिक एयर डिफेंस सिस्टम भी नहीं है।

थाईलैंड में स्कूल पर हमला कई छात्र और शिक्षक बंधक, सुरक्षा बलों का ऑपरेशन जारी

एजेंसी बैंकॉक

थाईलैंड में एक स्कूल पर अज्ञात बंदूकधारियों ने बुधवार शाम को हमला किया। उन्होंने स्कूल में घुसकर शिक्षकों और छात्रों को बंधक बना लिया है। खबर है कि पुलिस के घटनास्थल को घेरने पर एक शिक्षक को गोली मार दी गई है। हालांकि, पुलिस ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह घटना सोंगखला के हाट याई जिले में स्थित एक स्कूल की है। मौके पर भारी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद हैं। द नेशन थाईलैंड की खबर के मुताबिक, माए ताप्तिम याला फाउंडेशन ने अपने फेसबुक पेज पर शाम 4.59 बजे बताया कि टैम्बोन पाटोंग में पाटोंग प्रथान खिरिवात स्कूल पर हथियारबंद बंदूकधारियों ने हमला किया और गोलियां चलाईं। फाउंडेशन ने कहा कि घायल टीचर को अस्पताल ले जाया गया और स्कूल को घेरने के लिए पुलिस को भेजा गया। पुलिस ने कहा कि बंदूकधारी स्कूल में तब घुसे जब दिन की क्लास खत्म होने वाली थीं। उन्होंने कहा कि हमलावरों ने कुछ टीचरों और स्टूडेंट्स को बंधक बना रखा था, और कई डरे हुए स्टूडेंट्स अभी भी बिल्डिंग के अंदर फंसे हुए थे। हाट याई पुलिस ने स्थिति को काबू में करने की कोशिश में स्कूल को घेरने के लिए एक स्पेशल फोर्स टीम बनाई। स्कूल से ज्यादा से ज्यादा छात्रों और दूसरे लोगों को निकालने के लिए बचाव दल भी भेजे गए हैं पुलिस ने कहा कि वे बंदूकधारियों से बातचीत करने के लिए जिले, टैम्बोन और गांव के मुखियाओं के साथ कोऑर्डिनेट कर रहे हैं। हालांकि, खबर लिखे जाने तक बातचीत का कोई नतीजा नहीं निकल सका है। पुलिस ने लोगों से कहा गया है कि वे सुरक्षा के लिए स्कूल के सामने और आस-पास के इलाकों से बचें, और सिर्फ सरकारी एजेंसियों या दूसरे भरोसेमंद सोर्स से मिलने वाले अपडेट्स पर ही ध्यान दें।

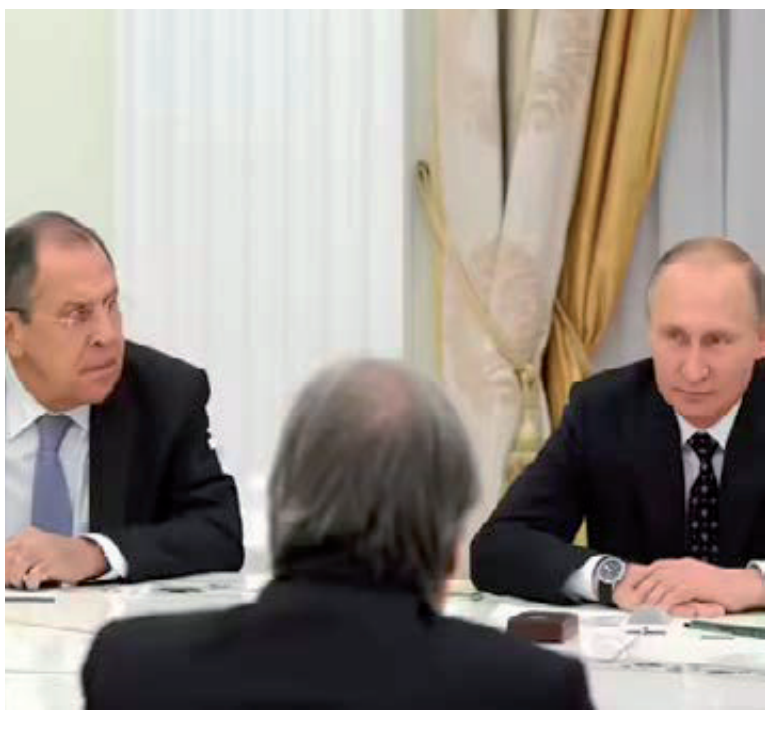

क्या भारत ने रूस से तेल खरीदना बंद कर दिया, रूसी विदेश मंत्री ने संसद में दिया बयान

एजेंसी मॉस्को

रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने स्टेट ड्यूमा में एक सरकारी सेशन के दौरान भारत के साथ संबंधों पर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि ऐसा मानने का कोई आधार नहीं है कि मॉस्को और नई दिल्ली के बीच हुए समझौते खतरे में हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत, रूस से तेल खरीदना बंद करेगा, उन्हें इसकी कोई जानकारी नहीं है। उनका यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ट्रं ट्रंप के दावे के बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत रूसी तेल खरीदना बंद करने पर सहमत हो गया है। लावरोव ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत दौरे पर भी प्रतिक्रिया दी।

लावरोव ने स्टेट ड्यूमा में एक सरकारी सेशन के दौरान कहा, "हमारे पास यह मानने का कोई कारण नहीं है कि सबसे ऊंचे लेवल पर हुए समझौते, और दोनों देशों – रूस और भारत – की सरकारों के बीच हुए समझौते किसी खतरे में हैं।" लावरोव ने यह भी कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अलावा किसी ने यह नहीं कहा है कि भारत रूसी तेल खरीदना बंद कर देगा। उन्होंने आगे कहा, "आपने बताया कि डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि भारत रूस से तेल खरीदना बंद करने पर सहमत हो गया है। मैंने ऐसा बयान किसी और से नहीं सुना है, जिसमें भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी या दूसरे भारतीय प्रतिनिधि भी शामिल हैं।"

रूसी विदेश मंत्री ने ग्रीनलैंड में अमेरिकी सैन्य उपस्थिति के बढ़ने पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा, अगर ग्रीनलैंड का इस तरह से सैन्यीकरण किया जाता है जिससे रूसी सुरक्षा को खतरा हो, तो रूस कड़ी जवाबी कार्रवाई करेगा। उन्होंने कहा, "बेशक, ग्रीनलैंड के सैन्यीकरण और रूस को टारगेट करके वहां मिलिट्री क्षमताएं बनाने की स्थिति में, हम मिलिट्री-टेक्निकल कदमों सहित काफी जवाबी कार्रवाई करेंगे।" लावरोव ने ग्रीनलैंड के आसपास की स्थिति को बड़ी ग्लोबल अस्थिरता से भी जोड़ा। उन्होंने कहा कि हाल की घटनाओं से पता चलता है कि दुनिया गहरे और लंबे समय तक चलने वाले बदलाव के दौर में आ गई है।

भारत के रूसी तेल खरीदना बंद करने का दावा अमेरिका की तरफ से किया गया है। अभी तक भारत की ओर से इस मुद्दे पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। भारत ने रूसी तेल खरीद बंद करने के दावे को न तो स्वीकारा है और ना ही इससे इनकार किया है। हालांकि, माना जा रहा है कि भारत अब भी रूस से तेल खरीद जारी रखे हुए है, भले ही इसकी मात्रा कम हुई है। इस बीच ऐसी भी खबरें हैं कि भारतीय आयात में कमी के कारण बचा रूसी तेल चीन खरीद रहा है।

2 सगे भाइयों ने टी20 वर्ल्ड कप में मचाई तबाही, मिलकर 46 गेंद पहले ही चेज कर डाला टारगेट, रच दिया इतिहास

इटली ने नेपाल को 10 विकेट से हरा दिया है. यह टी20 वर्ल्ड कप इतिहास में इटली क्रिकेट टीम की सबसे पहली जीत है.

मुंबई, एजेंसी| इटली ने नेपाल को 10 विकेट से हरा दिया है. यह टी20 वर्ल्ड कप इतिहास में इटली क्रिकेट टीम की सबसे पहली जीत है. इटली ने 46 गेंद शेष रहते लक्ष्य को हासिल कर इतिहास रच डाला. जस्टिन मोस्का और एंथनी मोस्का, दोनों ने अर्धशतक लगाते हुए इटली की जीत सुनिश्चित की.

मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए इस मैच में इटली ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी थी. नेपाल की ओर से कोई भी खिलाड़ी बड़ी पारी नहीं खेल पाया, नतीजन नेपाल की टीम 123 रनों पर सिमट गई. जवाब में इटली ने 12.4 ओवरों में ही यह लक्ष्य हासिल कर लिया.

2 भाइयों ने मचाई तबाही

जस्टिन मोस्का और एंथनी मोस्का ने इटली के लिए पारी की शुरुआत की. एंथनी ने 32 गेंद में 62 रनों की तूफानी पारी खेली, वहीं जस्टिन ने 44 गेंद में 60 रन बनाए. दोनों ने मिलकर ही 124 रनों का टारगेट 46 गेंद पहले ही हासिल कर दिया. दोनों ने मिलकर 9 छक्के और 8 चौके लगाए. नेपाल के लिए दीपेन्द्र सिंह एरी और कुशल भुर्तल के अलावा अन्य सभी गेंदबाजों की खूब धुनाई हुई.

इस जीत के साथ इटली की टीम ग्रुप C की पॉइंट्स टेबल में इंग्लैंड से ऊपर तीसरे स्थान पर चली गई है. अभी इटली के 2 कठिन मैच और बाकी हैं, जिनमें उसे इंग्लैंड और वेस्टइंडीज से भिड़ना है.

इससे पहले गेंदबाजी में बेन मानेंटी और कृशन कालुगामागे ने घातक बॉलिंग करते हुए नेपाल के बैटिंग लाइन-अप की धज्जियां उड़ा दी थीं. मानेंटी ने 4 ओवरों में सिर्फ 9 रन दिए और 2 विकेट लिए. वहीं कालुगामागे ने 4 ओवरों में 18 रन देकर 3 विकेट लिए.

भारतीय अंडर-17 पुरुष टीम दूसरे मैत्री मैच में मेजबान तुर्किये से हारी

नयी दिल्ली, एजेंसी | भारत की अंडर-17 पुरुष फुटबॉल टीम को बृहस्पतिवार को अंताल्या में हुए दूसरे मैत्री मुकाबले में मेजबान टीम तुर्किये से 1-6 से हार गई।

भारत को मंगलवार को पहले दोस्ताना मुकाबले में 0-1 से पराजय का सामना करना पड़ा था।

भारतीय टीम इन मैत्री मैच का इस्तेमाल एएफसी अंडर-17 एशियाई कप सऊदी अरब 2026 की तैयारी के लिए कर रही है जो मई में होगा। इसमें भारत ग्रुप डी में उज्बेकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और उत्तर कोरिया से भिड़ेगा।

चेन्नई ओपन : नागल बाहर, पूनाचा-इसारो की शीर्ष वरीय युगल जोड़ी सेमीफाइनल में

चेन्नई, एजेंसी | पूर्व चैंपियन सुमित नागल बृहस्पतिवार को यहां चेन्नई ओपन एटीपी चैलेंजर के दूसरे दौर में रूस के पेट्र बार बिरयुकोव से हारकर बाहर हो गए। भारत के नंबर एक खिलाड़ी नागल को विश्व रैंकिंग में 305 नंबर पर काबिज बिरयुकोव से दो घंटे छह मिनट तक चले मुकाबले में 6-4 6-7 3-6 हार मिली। दिन के सबसे लंबा मैच चौथे वरीय इलिया सिमाकिन और ऑस्ट्रेलिया के फिलिप सेकुलिच के बीच हुआ जो करीब तीन घंटे तक चला। इसमें सिमाकिन ने सेकुलिच को 4-6, 7-5, 7-6 (1) से हराया। अब सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए सिमाकिन का सामना बिरयुकोव से होगा। इससे पहले भारतीय क्वालीफायर सिद्धार्थ रावत (715 रैंकिंग) ने माक्स कासनिकोवस्की (419) को 6-2, 6-3 से हराया। युगल मुकाबलों में शीर्ष वरीय निकी पूनाचा और प्रयुच्चा इसारो ने वाइल्ड कार्ड से प्रवेश करने वाले लोहिथाक्शा बथ्रीनाथ और अभिनव संजीव शानमुगम को 6-4, 6-1 से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया। अब उनका सामना हमवतन एसडी प्रज्वल देव और नितिन सिन्हा की जोड़ी से होगा। उन्होंने हमवतन इशाक इकबाल और मनीष सुरेशकुमार को 4-6, 6-2, 10-8 की जीत से सेमीफाइनल में जगह बनाई।

भारत ने टी20 वर्ल्ड कप की सबसे बड़ी जीत दर्ज कर रचा इतिहास, ईशान-हार्दिक के तूफान के बाद गेंदबाज चमके, नामीबिया को हराया

भारत ने नामीबिया को 93 रनों से हरा दिया है. यह टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में टीम इंडिया की रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत है.

नई दिल्ली, एजेंसी | भारत ने नामीबिया को 93 रनों से हरा दिया है. यह टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में टीम इंडिया की रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत है. दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए इस मैच में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 209 रन बनाए थे. इसके जवाब में नामीबिया की टीम 116 रन ही बना पाई.

इस मैच में नामीबिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी थी. भारतीय टीम जब बल्लेबाजी करने आई तो संजू सैमसन और ईशान किशन ने टीम इंडिया को तूफानी शुरुआत दिलाई. सैमसन ने 8 गेंद में 22 रन, वहीं ईशान किशन ने 24 गेंद में 61 रन बनाए. वहीं हार्दिक पाण्ड्या ने 52 रनों की तेजतर्रार पारी खेल, भारत को 209 के स्कोर तक पहुंचाया. हालांकि भारत के आखिरी 5 विकेट महज 11 गेंदों के भीतर गिर गए थे.

टी20 वर्ल्ड कप में सबसे बड़ी जीत

भारत ने नामीबिया को 93 रनों से हराया. यह रनों के लिहाज से भारत की टी20 वर्ल्ड कप में सबसे बड़ी जीत है. इससे पहले टीम इंडिया की वर्ल्ड कप में सबसे बड़ी जीत 90 रनों की थी. भारत ने 2012 वर्ल्ड कप में इंग्लैंड को 90 रनों से हराया था. टी20 वर्ल्ड कप में रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत दर्ज करने के मामले में भारत 10वें नंबर पर है.

इसी के साथ भारत ने टी20 वर्ल्ड कप में लगातार सबसे ज्यादा मैच जीतने के मामले में भी विश्व रिकॉर्ड बना दिया है. यह टी20 वर्ल्ड कप इतिहास में टीम इंडिया की लगातार 10वीं जीत रही.

गेंदबाजों ने दिखाया दम

ईशान किशन और हार्दिक पाण्ड्या के तूफानी अर्धशतकों के बाद टीम इंडिया ने दमदार गेंदबाजी भी की. कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 6 गेंदबाजों का इस्तेमाल किया, उन सभी को काम से काम एक विकेट जरूर मिला. भारत के सबसे सफल गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती रहे, जिन्होंने 2 ओवर में केवल 7 रन देकर तीन विकेट चटकाए.

श्रीलंका ने टी20 वर्ल्ड कप की दूसरी सबसे बड़ी जीत दर्ज कर रचा इतिहास, ओमान को बुरी तरह रौंदा

टी20 वर्ल्ड कप के 16वें मुकाबले में श्रीलंका क्रिकेट टीम ने ओमान को 105 रनों से हराया. ये उनकी टी20 में रनों के आधार पर दूसरी सबसे बड़ी जीत है.

नई दिल्ली, एजेंसी | टी20 वर्ल्ड कप में गुरुवार को खेले गए पहले मैच में श्रीलंका ने ओमान को 105 रनों से हराया. पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका ने 20 ओवरों में 225 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया. ये इस संस्करण में अभी तक का सबसे बड़ा स्कोर है. पवन रतनायके ने 214 और कप्तान डसून शनका ने 250 की स्ट्राइक रेट से अर्धशतकीय पारी खेली. लक्ष्य का पीछा करते हुए ओमान 20 ओवरों में 120 रन ही बना सकी.

श्रीलंका क्रिकेट टीम की ये रनों के आधार पर दूसरी सबसे बड़ी जीत है. बता दें कि टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में रनों के आधार पर सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड भी श्रीलंका के नाम ही है. श्रीलंका ने 2007 में केन्या के खिलाफ 172 रनों से जीत दर्ज की थी, जिस रिकॉर्ड को आज तक कोई नहीं तोड़ पाया.

श्रीलंका के 3 बल्लेबाजों ने जड़ी फिफ्टी

पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका की शुरुआत ज्यादा अच्छी नहीं हुई थी, पॉवरप्ले में टीम ने दोनों ओपनर्स के विकेट गंवा दिए थे. पथुम निसांका 13 और कामिल मिशारा 8 रन बनाकर आउट हुए. इसके बाद कुशाल मेंडिस और पवन रतनायके के बीच 94 रनों की साझेदारी हुई, दोनों ने फिफ्टी पूरी की. मेंडिस ने 45 गेंदों में 7 चौकों की मदद से 61 और पवन ने 28 गेंदों में 214 की स्ट्राइक रेट से 60 रनों की पारी खेली. इसमें उन्होंने 1 छक्का और 8 चौके लगाए.

कप्तान ने 250 की स्ट्राइक रेट से जड़ा अर्धशतक

इसके बाद कप्तान डसून शनका ने ताबड़तोड़ पारी खेलकर स्कोर को 200 के पार पहुंचाया, उन्होंने 20 गेंदों में 50 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली. इसमें उन्होंने 5 छक्के और 2 चौके लगाए. कामिन्दु मेंडिस ने 7 गेंदों में 19 रन बनाकर स्कोर 225 तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

120 रन बना सकी ओमान

लक्ष्य का पीछा करते हुए ओमान की शुरुआत बहुत खराब हुई, 3 विकेट 36 के स्कोर पर गिर गए. कप्तान जतिंदर सिंह 1, आमिर कलीम 5 और हम्मद मिर्जा 9 रन बनाकर आउट हुए. चौथे नंबर पर आए मोहम्मद नदीम ने थोड़ा संघर्ष किया, लेकिन ये काफी नहीं था. उन्होंने वसीम अली (27) के साथ चौथे विकेट के लिए 42 रनों की साझेदारी की. वसीम के आउट होने के बाद कोई दूसरा बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू पाया. नदीम 53 रन बनाकर नाबाद रहे.

व्यापार

लाल निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार

सेंसेक्स 559 अंक टूटा, निफ्टी 25900 के नीचे

नई दिल्ली, एजेंसी | हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन यानी गुरुवार को शेयर बाजार लाल निशान पर बंद हुआ। आईटी शेयरों में भारी बिकवाली के बीच गुरुवार को बेंचमार्क बीएसई सेंसेक्स 558 अंक गिर गया, क्योंकि एआई-आधारित व्यवधानों को लेकर चिंताओं और मजबूत अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों के बाद फेड द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें कम होने से निवेशकों की भावना पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा।

30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 558.72 अंक या 0.66 प्रतिशत गिरकर 83,674.92 पर बंद हुआ। दिन के दौरान इसमें 716.97 अंक या 0.85 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 83,516.67 के अंतर्देशीय निचले स्तर पर पहुंच गया। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 146.65 अंक या 0.57 प्रतिशत गिरकर 25,807.20 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल - सेंसेक्स

में गिरावट का नेतृत्व टेक्नोलॉजी शेयरों ने किया, जिसमें टेक महिंद्रा, इंफोसिस और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के शेयर लगभग 6 प्रतिशत गिरकर प्रमुख रूप से पिछड़ गए। एचसीएल टेक्नोलॉजीज, महिंद्रा एंड महिंद्रा, हिंदुस्तान यूनिलीवर, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एटर्नल, एचडीएफसी बैंक, इंडिगो, कोटक महिंद्रा बैंक और अदानी पोर्ट्स के शेयर भी घाटे में बंद हुए।

दूसरी ओर, बजाज फाइनेंस, आईसीआईसीआई बैंक, ट्रेंट, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, एशियन पेंट्स, बजाज फिनसर्व, टाइटन, लार्सन एंड टुब्रो, भारती एयरटेल और टाटा स्टील लाभ कमाने वालों में शामिल थे।

बीएसई मिडकैप सेलेक्ट इंडेक्स में 0.48 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि स्मॉलकैप सेलेक्ट इंडेक्स में 0.28 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। क्षेत्रीय सूचकांकों में, फोकस्ड आईटी में सबसे अधिक 5.40 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, इसके बाद आईटी में 5.29 प्रतिशत की गिरावट आई।

क्या है विशेषज्ञों की राय? - जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के अनुसंधान प्रमुख विनोद नायर ने कहा, 'एआई-आधारित व्यवधानों को लेकर बढ़ती चिंताओं के साथ-साथ मजबूत अमेरिकी रोजगार आंकड़ों और बेरोजगारी दरों के कारण अमेरिकी फेड द्वारा ब्याज दरों में कटौती की कम उम्मीदों ने आईटी सूचकांक में आई भारी गिरावट से निवेशकों का मनोबल गिरा दिया।' उन्होंने आगे कहा कि वैश्विक बाजारों में, एआई सेवा-प्रधान क्षेत्रों में मार्जिन को कम करके और एकाग्रता-आधारित अस्थिरता को बढ़ाकर बाजारों को नया आकार दे रहा है।

भारत में, यह तकनीकी बदलाव डिलीवरी की समयसीमा को तेज करके और मात्रा-आधारित कार्यों को स्वचालित करके आईटी सेवाओं को संरचनात्मक रूप से बदलने की संभावना है, जिससे पारंपरिक मानव-गणना आधारित आउटसोर्सिंग मॉडल को चुनौती मिलेगी।

नायर ने कहा, 'आईटी क्षेत्र में कमजोर माहौल, साथ ही अमेरिका और ईरान के बीच जारी भू-राजनीतिक तनाव, निवेशकों को निकट भविष्य में सतर्क दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रभावित कर सकता है।'

यूरोपीय बाजारों में दिखी तेजी - एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक 3 प्रतिशत से अधिक की बढ़त के साथ बंद हुआ। जापान का निक्केई 225 सूचकांक और शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक भी सकारात्मक रुख के साथ समाप्त हुए, जबकि हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक नकारात्मक क्षेत्र में बंद हुआ। सत्र के मध्य में हुए कारोबार में यूरोपीय बाजारों में तेजी देखी जा रही है। अमेरिकी शेयर बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुए।

ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 69.21 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा - वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.27 प्रतिशत गिरकर 69.21 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल हो गया। इस बीच, एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बुधवार को 943.81 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 125.36 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। बुधवार को 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 40.28 अंक गिरकर 84,233.64 पर बंद हुआ, जबकि एनएसई निफ्टी 18.70 अंक चढ़कर 25,953.85 पर बंद हुआ।

बैंक स्टाफ अब नहीं कर पाएंगे मिस-सेलिंग, आरबीआई का 'मास्टरस्ट्रोक', जारी हुई नई गाइडलाइन्स

नए नियमों के मुताबिक, बैंक और अन्य वित्तीय संस्थान किसी भी वित्तीय उत्पाद या सेवा का विज्ञापन, मार्केटिंग या बिक्री करते समय पारदर्शिता और जिम्मेदारी बरतेंगे.

नई दिल्ली, एजेंसी | भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने ग्राहकों के हितों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बैंकों की ओर से होने वाली गलत बिक्री (मिस-सेलिंग) पर सख्ती करने के लिए नया मसौदा नियम जारी किया है. बुधवार को जारी यह ड्राफ्ट "आरबीआई (कॉमर्शियल बैंक्स–रिस्पॉन्सिबल बिजनेस कंडक्ट) अमेंडमेंट डायरेक्शन 2026" एक जुलाई 2026 से लागू होगा. इस मसौदे के तहत यदि किसी बैंक द्वारा गलत तरीके से कोई उत्पाद या सेवा बेची जाना साबित होता है, तो बैंक को ग्राहक को पूरी राशि वापस करनी होगी और हुए नुकसान की भरपाई भी करनी पड़ेगी.

क्या है नया नियम? - नए नियमों के मुताबिक, बैंक और अन्य वित्तीय संस्थान किसी भी वित्तीय उत्पाद या सेवा का विज्ञापन, मार्केटिंग या बिक्री करते समय पारदर्शिता और जिम्मेदारी बरतेंगे. ग्राहकों से संपर्क करने से पहले उनकी स्पष्ट सहमति लेना अनिवार्य होगा और संपर्क केवल कार्यालय समय के दौरान ही किया जा सकेगा. आरबीआई ने यह भी कहा है कि बैंकों की आंतरिक नीतियां ऐसी नहीं होनी चाहिए जो कर्मचारियों या डायरेक्ट सेलिंग एजेंट्स (DSA) को किसी भी तरह से गलत बिक्री के लिए प्रोत्साहित करें. यानी प्रोत्साहन (इंसेंटिव) ढांचा ऐसा नहीं होना चाहिए जो केवल बिक्री बढ़ाने पर केंद्रित हो, भले ही वह ग्राहक के हित में न हो.

केंद्रीय बैंक ने विशेष रूप से तीसरे पक्ष (थर्ड-पार्टी) के उत्पादों और सेवाओं की बिक्री को लेकर भी सख्त रुख अपनाया है. मसौदे में कहा गया है कि ऐसे उत्पादों की मार्केटिंग या बिक्री में लगे कर्मचारियों को संबंधित तीसरे पक्ष से सीधे या परोक्ष रूप से कोई प्रोत्साहन नहीं मिलना चाहिए. इसके अलावा, किसी बैंक को अपने उत्पाद के साथ किसी तीसरे पक्ष के उत्पाद को जबरन जोड़ने (टाई-इन सेल) की अनुमति नहीं होगी. ग्राहक को अलग-अलग कंपनियों के विकल्पों में से स्वतंत्र रूप से चयन करने का अधिकार दिया जाएगा

क्यों आरबीआई ने जारी किया मसौदा? - आरबीआई ने यह भी प्रस्तावित किया है कि बैंकों के डिजिटल प्लेटफॉर्म और ऐप्स में किसी भी तरह के 'डार्क पैटर्न' का इस्तेमाल नहीं होना चाहिए. डार्क पैटर्न वे डिजाइन या तकनीकें होती हैं जो ग्राहकों को भ्रमित कर अनजाने में किसी उत्पाद या सेवा के लिए सहमति देने पर मजबूर कर सकती हैं. मसौदे में ऐसे करीब एक दर्जन उदाहरणों का उल्लेख किया गया है, जिनसे बचने के निर्देश दिए गए हैं.

दरअसल, हाल के वर्षों में बैंकों और वित्तीय संस्थानों द्वारा बीमा, निवेश योजनाएं या अन्य उत्पाद गलत तरीके से बेचने की शिकायतें बढ़ी थीं.

वॉलंटरी एग्जिट पैकेज के नाम पर छंटनी की लटकी तलवार; गूगल ने कर्मचारियों पर फोड़ा छंटनी का बम

प्राइवेट नौकरीपेशा लोगों को अक्सर ही डर बना रहता है कि, उनकी नौकरी कभी भी जा सकती है. अक्सर बड़े पैमाने पर छंटनी की खबरें सामने आती रहती है. ऐसी ही एक खबर दुनिया की जानी मानी टेक कंपनी से आ रही है..

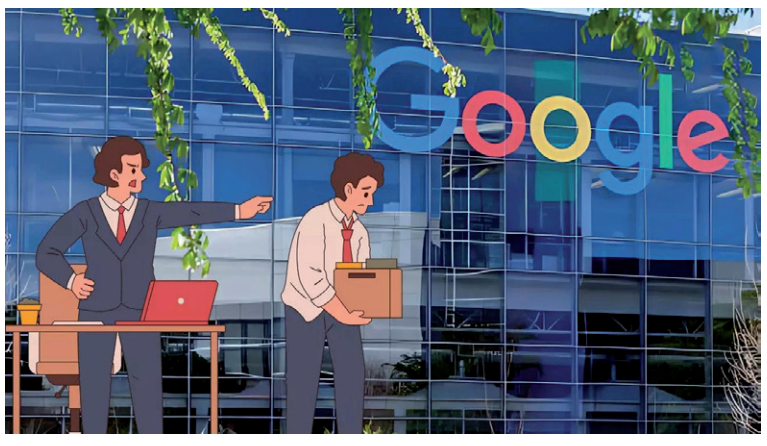

नई दिल्ली, एजेंसी | प्राइवेट नौकरीपेशा लोगों को अक्सर ही डर बना रहता है कि, उनकी नौकरी कभी भी जा सकती है. अक्सर बड़े पैमाने पर छंटनी की खबरें सामने आती रहती है. छंटनी के लिए अलग-अलग तरीके भी अपनाएं जाते हैं.

ऐसी ही एक खबर दुनिया की जानी मानी टेक कंपनी से आ रही है. गूगल ने अपने कुछ कर्मचारियों को एग्जिट पैकेज ऑफर किया है. इसके तहत कर्मचारी खुद की मर्जी से कंपनी छोड़ सकते हैं. आइए जानते है, इस बारे में...

गूगल ने दिया कर्मचारियो को एग्जिट का विकल्प

बिजनेस इनसाइडर की एक रिपोर्ट के अनुसार गूगल के चीफ बिजनेस ऑफिसर फिलिप शिंडलर ने कर्मचारियों को ईमेल के जरिए इसकी जानकारी साझा की है. ईमेल में कहा गया है कि कंपनी के ग्लोबल बिजनेस ऑर्गेनाइजेशन (GBO) के तहत काम कर रही कुछ टीमों के कर्मचारी सेवरेंस पैकेज के साथ बाहर निकलने का विकल्प ले सकते हैं.

इन संभावित एग्जिट्स का असर खास तौर पर यूनाइटेड स्टेट्स में GBO से जुड़ी भूमिकाओं पर पड़ेगा. जिनमें सॉल्यूशन टीम, सेल्स, कॉरपोरेट डेवलपमेंट और अन्य संबंधित विभागों में काम करने वाले कर्मचारी शामिल हैं. हालांकि, यूएस में बड़ी कस्टमर सेल्स टीम से जुड़े कर्मचारियों को इस प्रोग्राम में शामिल नहीं किया गया है.

क्या है चीफ बिजनेस ऑफिसर का कहना?

फिलिप शिंडलर ने कर्मचारियों की 2025 की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि इन्हीं प्रयासों की बदौलत कंपनी साल की शुरुआत मजबूत स्थिति से कर रही है. हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि माहौल बहुत तेजी से बदल रहा है. इसकी रफ्तार बहुत तेज है.

इसलिए कंपनी उन कर्मचारियों को वॉलेंटरी एग्जिट पैकेट दे रही है, जो इस रफ्तार में खुद को फिट नहीं कर पा रहे हैं. साथ ही ऐसे कर्मचारी जो गूगल के बाहर खुद के लिए नए अवसर तलाश रहे हैं. इससे पहले 2025 में सीईओ सुंदर पिचई ने भी कर्मचारियों को वॉलंटरी एग्जिट पैकेज ऑफर किए थे.

सोनम कपूर के बेबी शावर में सेलेब्स ने की खूब मस्ती

सोनम कपूर के घर एक बार फिर किलकारियां गूंजने वाली हैं। बॉलीवुड की 'ऑरिजनल फैशनिस्टा' जल्द ही दूसरी बार मां बनने जा रही हैं और इस खुशी का जश्न रविवार, 8 फरवरी को मुंबई में बड़े ही शानदार तरीके से मनाया गया। सोनम और आनंद आहूजा के घर पर हुई इस बेबी शावर सेरिमनी में फिल्मी सितारों का मेला लगा रहा। सोनम कपूर के बेबी शावर की तस्वीरें इस वक्त सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। हर कोई उनके लुक की तारीफें कर रहा है। सोनम ने साल 2025 के नवंबर महीने में अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी का ऐलान किया था और तब से ही उनके फैंस इस पल का इंतजार कर रहे थे। मुंबई वाले घर पर आयोजित इस फंक्शन में सोनम कपूर लहंगा-चोली में किसी अप्सरा से कम नहीं लग रही थीं। उन्होंने बड़े ही 'गूफी' और बिंदास अंदाज में अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट किया, जिसकी तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। इस जश्न में कपूर खानदान और बॉलीवुड के दिग्गजों ने शिरकत की। सोनम के भाई अर्जुन कपूर कुर्ते-पजामे में अपने चिर-परिचित स्वैग के साथ पहुंचे, तो वहीं कजिन खुशी कपूर और अंशुला कपूर ने भी महफिल में चार चांद लगाए। इस दौरान करीना और शबाना आजमी भी साथ नजर आईं। 'वीरे दी वेडिंग' की को-स्टार करीना कपूर खान से लेकर दिग्गज अभिनेत्री शबाना आजमी तक, हर कोई देसी अवतार में सोनम को आशीर्वाद देने पहुंचा। अनुपम खेर, भूमि पेडनेकर और महीप कपूर भी इस खास मौके पर कपल को बधाई देने पहुंचे। सोनम के पिता और बॉलीवुड के 'एवरग्रीन' एक्टर अनिल कपूर की खुशी का तो ठिकाना ही नहीं था। दोबारा नाना बनने का उत्साह उनके चेहरे पर साफ दिख रहा था। हमेशा की तरह बेहद स्टाइलिश नजर आ रहे अनिल कपूर ने मेहमानों की मेजबानी में कोई कसर नहीं छोड़ी।सोनम और आनंद आहूजा की प्रेम कहानी किसी फिल्म से कम नहीं है। सालों की डेटिंग के बाद 2018 में दोनों ने शादी की थी। शादी के बाद सोनम लंदन शिफ्ट हो गईं और 2022 में उन्होंने अपने पहले बेटे 'वायु' को जन्म दिया। अब 3 साल के हो चुके वायु जल्द ही बड़े भाई बनने वाले हैं।जहां एक तरफ सोनम के मैटरनिटी लुक्स की तारीफ हो रही है, वहीं हाल ही में उन्हें आलोचनाओं का भी सामना करना पड़ा। अपनी एक सफेद ड्रेस के साहसी चुनाव की वजह से सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने उन्हें ट्रोल किया, लेकिन सोनम ने हमेशा की तरह अपनी शर्तों पर जीने का अंदाज बरकरार रखा है। सोनम कपूर पिछले 3 सालों से फिल्मों से दूर हैं। आखिरी बार उन्हें 2023 में बड़े पर्दे पर देखा गया था। फिलहाल, वह अपना पूरा समय परिवार और आने वाले नन्हे मेहमान की तैयारियों को दे रही हैं।

रियलिटी शो 'द 50' में दिव्या अग्रवाल और भव्या सिंह के बीच की जंग अब नेशनल टेलीविजन से निकलकर सोशल मीडिया तक पहुंच गई है. भव्या ने शो में दिव्या की शादीशुदा जिंदगी और उनके पति अपूर्व पाडगांवकर को लेकर जो दावे किए थे, उस पर अब दिव्या की टीम ने चुप्पी तोड़ी है. दिव्या की टीम ने एक आधिकारिक बयान जारी कर भव्या के दावों को न केवल झूठा बताया है, बल्कि उन्होंने इसे दिव्या की इमेज खराब करने की एक 'घिनौनी साजिश' करार दिया है.शो के लेटेस्ट एपिसोड में भव्या सिंह ने दिव्या अग्रवाल पर निजी हमला करते हुए उन्हें 'फेक' और 'गोल्ड डिगर' कहा था. इतना ही नहीं, भव्या ने ये दावा भी किया कि दिव्या अपने पति अपूर्व से अलग रहती हैं और मुंबई में लोगों से अपने घर आने की भीख मांगती हैं. भव्या का ये बयान सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल गया. दिव्या की टीम ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक बयान साझा किया. उन्होंने लिखा, फकल रात 'द 50' के एपिसोड में जो कुछ भी कहा गया और किया गया, वो बेहद अनैतिक और अनुचित था. बार-बार यह कहना कि 'मैं कुछ नहीं कहूंगी' और फिर बेबुनियाद निजी कहानियां गढ़ना, सिर्फ आपकी नीयत को उजागर करता है, सच को नहीं. ये शो कभी निजी जंग का मैदान नहीं था, ये ताकत और रणनीति का खेल हैभव्या ने दिव्या के लोगों को घर बुलाने के स्वभाव पर तंज कसा था, जिस पर टीम ने सफाई देते हुए कहा, फदिव्या एक बहुत ही मिलनसार लड़की है और उन्हें मेहमाननवाजी पसंद है. उन्हें लोगों की मेजबानी करना और उनसे जुड़ना पसंद है. उनकी इस खूबी को 'अकेलापन' या 'इमोशनल डिपेंडेंसी' का नाम देना न केवल गलत है बल्कि बेहद नाइंसाफी है. बिना तथ्यों (फैक्ट्स) के दूसरों को एक्सपोज करने की कोशिश में आपने खुद को एक्सपोज कर दिया है.हैरानी की बात यह है कि जहां भव्या के ये वीडियो वायरल हो रहे हैं, वहीं दिव्या के पति अपूर्व पाडगांवकर ने अभी तक इस विवाद पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है. दिव्या और अपूर्व ने फरवरी 2024 को शादी की थी और दोनों अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी खुशहाल जिंदगी की झलक दिखाते रहते हैं.भव्या ने शो में दिव्या को 'तबाह' करने की धमकी दी थी, लेकिन दिव्या की टीम का कहना है कि उनकी गरिमा और आत्मविश्वास को इस तरह के झूठे आरोपों से नहीं गिराया जा सकता।

श्वेता को बेटी पर नहीं था भरोसा, दे दी थी चेतावनी

टीवी की मशहूर एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी आए दिन किसी ना किसी वजह से सुर्खियों में रहती हैं। 22 साल की पलक तिवारी ने सलमान खान के साथ किसी का भाई किसी की जान फिल्म के जरिए बॉलीवुड में अपना डेब्यू कर लिया है। अब हाले ही में पलक तिवारी ने मां के साथ अपनी बॉन्डिंग पर खुलकर बात की। इस दौरान एक्ट्रेस ने बताया कि श्वेता तिवारी असल जिंदगी में काफी स्ट्रिक्ट मॉम थीं। केवल इतना ही नहीं बचपन में श्वेता को पलक पर बिल्कुल भी भरोसा नहीं था। पलक तिवारी ने ई- टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में बताया, मेरी मां एक पैरेंट के रूप में औरों से ज्यादा सख्त थीं। जब मैं छोटी थी तो उन्हें लगता था कि मैं बहुत ही अव्यवस्थित हूं। हालांकि इस बात के लिए मैं उन्हें दोषी नहीं मानती क्योंकि उस समय मां मुझ पर भरोसा नहीं करती थीं। लेकिन धीरे-धीरे मैंने उनका विश्वास जीता और उन्हें ये भरोसा दिलाया कि भले ही मैं एक परफेक्ट बच्चा नहीं हूं लेकिन बहुत खराब भी नहीं हूं। पलक तिवारी ने यह भी बताया कि जब उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की थी तो मां श्वेता तिवारी ने बेटी को नाक ना कटाने की चेतावनी दी थी। पलक ने बताया, मां ने मुझसे कहा था कि नाक मत कटाना। मेरी मां बिल्कुल भी कंट्रोल फ्रीक नहीं है बल्कि मेरे परिवार में कोई भी कंट्रोल नहीं करता। अगर मेरी मां को मेरी कोई समझ नहीं आती तब भी वह मुझे जज नहीं करती हैं। वह मुझे हमेशा रिलैक्स रहने की सलाह देती हैं। बता दें कि पलक तिवारी ने अपने करियर की शुरुआत आयुष शर्मा और महिमा मकवाना की फिल्म अंतिम- द फाइनल ट्रुथ%के जरिए की थी। इस फिल्म में पलक ने असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर काम किया था। इसके बाद पलक ने हार्डी संधू के गाने बिजली बिजली के जरिए एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा। यह गाना यूट्यूब पर आते ही छा गया था। हाल ही में पलक ने सलमान खान की फिल्म %किसी का भाई किसी की जान% के जरिए बॉलीवुड में डेब्यू किया है।

लव स्टोरी को Reset करने वाला शो, एल्विश यादव-जिया शंकर की सगाई का सच सामने आ गया

यूट्यूबर और बिग बॉस ओटीटी 2 विनर एल्विश यादव ने बीते दिन ऐसी स्टोरी शेयर की, जिससे सोशल मीडिया पर हलचल मच गई. एल्विश यादव ने एक्ट्रेस जिया शंकर को टैग करते हुए एक फोटो पोस्ट की. इस फोटो के सामने आते ही लोग ऐसी अटकलें लगाने लगे कि शायद एल्विश यादव और जिया शंकर ने सगाई कर ली है. हालांकि, इन सगाई की अफवाहों का सच सामने आ गया है. एल्विश यादव ने जिया शंकर संग सगाई नहीं की, बल्कि उन्होंने अपने अपकमिंग शो को प्रमोट करने के लिए ये ट्रिक आजमाई थी.एल्विश यादव ने बीते दिन गुरुवार को अपने सोशल मीडिया पर जिया शंकर का हाथ थामे एक तस्वीर शेयर की. इतना ही इस तस्वीर के साथ उन्होंने एक रोमांटिक सा कैप्शन भी दिया. ये फोटो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो गई और ऐसी अफवाहें उड़ने लगीं कि दोनों ने सगाई कर ली है, क्योंकि उस तस्वीर में जिया शंकर के हाथ में एक रिंग भी नजर आई. हालांकि, ये महज एक तरीका था अपने नए शो को प्रमोट करने का.एल्विश यादव और जिया शंकर की सगाई नहीं हुई है, बल्कि वो दोनों साथ में 'एंगेज्ड सीजन 2' होस्ट करेंगे, जिसकी अब ऑफिशियल अनाउंसमेंट हो गई है. जियो हॉटस्टार ने 'एंगेज्ड सीजन 2' का ऑफिशियल टीज़र रिलीज किया है, जिसमें दोनों को ये कहते हुए सुना जा सकता है, मैं और जिया आ रहे हैं इन लोगों की लव स्टोरी को रीसेट करने. इससे ये तो कंफर्म हो गया कि एल्विश यादव की वायरल सगाई वाली पोस्ट सिर्फ प्रमोशन के लिए थी और उसका असलियत से कोई लेना-देना नहीं था.एंगेज्ड सीजन 2 के टीजर में एल्विश कहते हैं, प्यार ने कुछ लोगों का सिस्टम हिला रखा है. टीजर देखकर पता चलता है कि कुछ कंटेस्टेंट पहले रिलेशनशिप में रह चुके हैं, लेकिन उनका रिश्ता चल नहीं पाया और अब उनका सामना अपने पुराने पार्टनर्स से होगा. ट्रेलर में ये भी दिखाया गया है कि कपल्स की असली कमिटमेंट को टेस्ट करने के लिए उनके माता-पिता को बुलाया जाएगा।

3 बार प्यार में धोखा खा चुकी हैं नागिन एक्ट्रेस अदा खान

पॉपुलर नागिन शो में शेशा का किरदार निभाने वालीं एक्ट्रेस अदा खान को एक्टर अंकित गेरा से प्रेम हो गया था. सपने सुहाने लड़कपन के एक्टर अंकित गेरा संग एक्ट्रेस इस शो के सेट पर काफी घुल मिल गई थीं. फिर दोनों ने ऑफस्क्रीन भी मिलना शुरू कर दिया. इसके बाद दोनों एक दूसरे को डेट करने लगे.अदा खान अपने रिलेशनशिप में बेहद सीरियस थीं.वहीं वे अंकित के साथ सेटलडाउन होने का भी सोच रही थीं.लेकिन दूसरी तरफ दुखद ये रहा कि एक्टर अंकित अदा को इतना सीरियस नहीं ले रहे थे. खबरों के मुताबिक एक्टर उस वक्त इसी शो की दूसरी एक्ट्रेस को भी डेट और चीट कर रहे थे.ये और कोई नहीं सपने सुहाने लड़कपन के की सेकिंड लीड एक्ट्रेस थीं. जी हां, रूपल त्यागी. एक्ट्रेस रूपल को भी इस बारे में भनक तक नहीं थी कि अंकित अदा के साथ भी हैं.एक्ट्रेस अदा ने एक इंटरव्यू में बताया था- जब आप 4 साल देते हो अपने रिलेशनशिप को और वो इंसान आपको धोखा दे, फिर आप उसको दो मौके दो और फिर वो वही करे. ऐसा था वो रिलेशनशिप करीब 6 साल तक ऐसा ही रहा. एक रिलेशनशिप में हर इंसान काफी कुछ इंवेस्ट करता है, मैंने भी किया था. लेकिन अब मुझे प्यार नहीं चाहिए. मैं बहुत खुश हूं.एक्ट्रेस अदा ने कहा था- मैंने अपनी मॉम को खो दिया था. जब आपको उस शख्स की सबसे ज्यादा जरूरत होती है, तब मुझे पता चला था कि ऐसा हो रहा है,मैं ये सुन कर टूट चुकी थी. मैं घर से नहीं निकल रही थी.मुझे कुछ भी समझ नहीं आ रहा था कि मैं क्या करूं. क्योंकि जब आपकी मां ही आपकी दुनिया हो,और वो शख्स आपकी दूसरी दुनिया हो और दोनों जुदा हो जाएं तो अजीब हो जाता है. मुझे सुसाइडल थॉट्स आते थे. उसी वक्त ये दो घटनाएं घटी थीं मेरे लिए कुछ भी आसान नहीं था।

लव स्टोरी का खौफनाक द एंड: पत्नी के लव ट्रायंगल में पति की हत्या, 6 माह बाद सेप्टिक टैंक से मिला कंकाल

सागर जिले के देवरी में छह माह पहले लापता हुए प्रिंस बाल्मीकि की हत्या का पुलिस ने खुलासा किया है. आरोपी शोएब ने प्रेम प्रसंग के चलते हत्या कर शव को सैप्टिक टैंक में छिपा दिया था. पुलिस ने नरसिंहपुर से उसे गिरफ्तार कर अवशेष बरामद किए हैं.

• सागर, प्रतिनिधि

सागर | मोहब्बत के महीने में Valentine Day 2026 को लेकर जहां देशभर में प्रेम और विश्वास की बातें हो रही हैं, वहीं मध्य प्रदेश के सागर जिले के देवरी से सामने आए छह माह पुराना हत्याकांड ने हर किसी को झकझोर दिया. प्रेम प्रसंग, विश्वासघात और नशे की लत ने मिलकर एक युवक की जान ले ली.

देवरी हत्याकांड सागर मध्य प्रदेश

मध्य प्रदेश के सागर जिले के देवरी में हुए सनसनीखेज हत्याकांड का पुलिस ने चौंकाने वाला खुलासा किया है. पुलिस ने आरोपी के घर के पीछे बने सैप्टिक टैंक से मृतक प्रिंस बाल्मीकि की खोपड़ी और अन्य हड्डियों के अवशेष बरामद किए हैं.

इस मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी शोएब को नरसिंहपुर जिले से गिरफ्तार किया है. पूछताछ में आरोपी ने हत्या की वारदात कबूल करते हुए प्रेम प्रसंग को इसका कारण बताया है.

गुमशुदगी से हत्या तक की कहानी

पुलिस के अनुसार 20 अगस्त को सागर के लक्ष्मी नगर बहेरिया निवासी 22 वर्षीय प्रिंस बाल्मीकि की गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी. उस समय प्रिंस की पत्नी तुलसा ने ही थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी.

प्रारंभिक जांच में कोई ठोस सुराग नहीं मिला और मामला ठंडे बस्ते में चला गया. हालांकि परिजनों के संदेह और पुलिस की सतत निगरानी के चलते आखिरकार इस जघन्य हत्याकांड का पर्दाफाश हो गया.

प्रेम विवाह, फिर अवैध संबंध

जांच में सामने आया कि प्रिंस की पत्नी तुलसा और शोएब के बीच पहले से प्रेम संबंध थे. बताया गया कि प्रिंस और तुलसा की मुलाकात सोशल मीडिया के माध्यम से हुई थी, जिसके बाद दोनों ने प्रेम विवाह किया.

हालांकि विवाह से पहले ही तुलसा और शोएब के बीच संबंध थे. शादी के करीब एक माह बाद से तुलसा का व्यवहार बदलने लगा और वह अक्सर विवाद करने लगी. बाद में वह प्रिंस के साथ देवरी स्थित अपने मायके में रहने लगी.

नशे की लत और बढ़ता तनाव

देवरी में रहने के दौरान प्रिंस और शोएब के बीच दोस्ती हो गई. पुलिस जांच में सामने आया कि शोएब नशे का आदी था और स्मैक का सेवन करता था. उसने प्रिंस को भी नशे की लत लगा दी.

आरोप है कि वह प्रिंस को नशा कराकर उसकी पत्नी से चोरी-छिपे मिलता था. जब प्रिंस को दोनों के संबंधों की जानकारी हुई तो उसने विरोध किया, जिससे तनाव बढ़ गया.

सैप्टिक टैंक में छिपाया शव

थाना प्रभारी हरिराम मानकर के अनुसार पूछताछ में शोएब ने बताया कि 20 अगस्त को उसने प्रिंस को नशा करवाया और फिर उसकी हत्या कर दी. हत्या के बाद शव को घर के पीछे बने सैप्टिक टैंक में डाल दिया और ऊपर से कचरा डालकर ढंक दिया. आरोपी करीब एक माह तक मौके की रेकी करता रहा और शव के जल्दी सड़ने के लिए वहां नमक भी डालता रहा.

पुलिस ने आरोपी को सुरक्षा के बीच घटना स्थल पर ले जाकर सैप्टिक टैंक की खुदाई कराई, जहां से खोपड़ी और अन्य हड्डियों के अवशेष बरामद हुए. अवशेषों को डीएनए परीक्षण के लिए भेजा जा रहा है.

गुजरात भागे आरोपी, वीडियो से खुला राज

घटना के बाद आरोपी शोएब अपनी प्रेमिका तुलसा को लेकर गुजरात चला गया था और वहां साथ रह रहा था. इस दौरान दोनों के कुछ वीडियो परिजनों के हाथ लगे, जिससे उन्हें संदेह हुआ. परिजनों ने पुलिस को जानकारी दी. तकनीकी साक्ष्य और मोबाइल लोकेशन के आधार पर पुलिस ने आरोपी को नरसिंहपुर जिले से गिरफ्तार किया.

परिवार का संदेह सही साबित

मृतक प्रिंस के भाई ने बताया कि परिवार को शुरू से ही आशंका थी कि मामला सामान्य गुमशुदगी का नहीं है. उन्होंने निष्पक्ष जांच की मांग की थी. छह माह बाद पुलिस की सक्रियता और परिजनों के सहयोग से मामले का खुलासा हो सका. पुलिस अधीक्षक के अनुसार आरोपी से विस्तृत पूछताछ जारी है. यदि अन्य किसी की संलिप्तता पाई जाती है तो उसके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी. फिलहाल पुलिस आरोपी को न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लेने की तैयारी कर रही है, ताकि मामले से जुड़े अन्य तथ्यों का खुलासा किया जा सके.

वैलेंटाइन डे पर लट्ठ को पिलाया तेल, बोले- 'जहां मिलेंगे बाबू सोना, तोड़ देंगे कोना-कोना', करवा देंगे शादी

सागर में वैलेंटाइन डे से पहले शिवसेना ने लट्ठ पूजन कर विरोध दर्ज कराया है. प्रेमी जोड़ों और होटल संचालकों को चेतावनी दी गई है कि सार्वजनिक स्थानों पर अशोभनीय गतिविधियां बर्दाश्त नहीं की जाएंगी. पुलिस की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है.

• सागर, प्रतिनिधि

सागर | मोहब्बत के महीने फरवरी में जहां दुनियाभर में वैलेंटाइन वीक की रौनक है और 14 फरवरी 2026 को वैलेंटाइन डे मनाने की तैयारी चल रही है, वहीं मध्य प्रदेश के सागर में इसके विरोध की तस्वीर सामने आई है. शिवसेना कार्यकर्ताओं ने वैलेंटाइन डे के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए लट्ठ पूजन किया और प्रेमी जोड़ों को सख्त चेतावनी दी.

पहलवान बाबा मंदिर में लट्ठों का पूजन

बुधवार को सागर जिला मुख्यालय पर शिवसैनिक सिविल लाइन स्थित पहलवान बाबा मंदिर पहुंचे. यहां वैलेंटाइन डे के विरोध में "जहां मिलेंगे बाबू सोना, तोड़ देंगे कोना-कोना" और "लव जेहादी वैलेंटाइन डे मुर्दाबाद" जैसे पोस्टर लेकर प्रदर्शन किया गया.

पंडित-पुरोहित की मौजूदगी में वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच लट्ठों पर चमेली और सरसों का तेल चढ़ाकर विधिवत पूजन किया गया. इसे "दंड पूजन" नाम दिया गया.

पार्क और होटलों के बाहर लगाए पोस्टर

पूजन के बाद शिवसैनिकों ने शहर के पार्क, होटल और धार्मिक स्थलों के आसपास पोस्टर चस्पा किए. पोस्टरों में 14 फरवरी को वैलेंटाइन डे मनाने का विरोध दर्ज कराया गया है.

शिवसेना के उप राज्य प्रमुख पप्पू तिवारी ने कहा कि वैलेंटाइन डे भारतीय संस्कृति और परंपरा का हिस्सा नहीं है. उनका आरोप है कि कुछ युवक-युवतियां पाश्चात्य संस्कृति का अनुसरण करते हुए सार्वजनिक स्थानों पर अशोभनीय आचरण करते हैं, जिसे शिवसैनिक बर्दाश्त नहीं करेंगे.

अश्लीलता मिली तो मौके पर कराएंगे शादी

पप्पू तिवारी ने चेतावनी दी कि 14 फरवरी 2026 को यदि कोई प्रेमी युगल सार्वजनिक स्थल पर अश्लीलता करते पाया गया, तो मौके पर ही उनकी शादी करवा दी जाएगी. वहीं, शिवसेना जिला प्रभारी विकास सिंह ने कहा कि संगठन हर वर्ष वैलेंटाइन डे का विरोध करता है और इस बार भी विरोध जारी रहेगा. उनके मुताबिक, "प्रेम की आड़ में अश्लीलता फैलाने वालों को सबक सिखाने" के लिए लट्ठ पूजन किया गया है.

होटल संचालकों को भी चेतावनी

शिवसेना ने होटल और रेस्टोरेंट संचालकों को भी चेतावनी दी है कि 14 फरवरी को किसी प्रकार के फूहड़ या अश्लील कार्यक्रम आयोजित किए गए तो विरोध किया जाएगा.

उन्होंने कहा कि विरोध के दौरान यदि कोई अप्रिय स्थिति बनती है तो उसकी जिम्मेदारी संबंधित आयोजकों की होगी. हालांकि, इस पूरे मामले पर पुलिस प्रशासन की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है.

'मैं टिकाऊ हूं, बिकाऊ नहीं', मध्य प्रदेश के बीजेपी विधायक गोपाल भार्गव का फिर छलका दर्द

मध्य प्रदेश के वरिष्ठ भाजपा नेता और रहली विधायक गोपाल भार्गव ने एक कार्यक्रम में अपने दिल की बात कही. उन्होंने कहा कि राजनीति में उपेक्षा किसी को भी तोड़ सकती है. उन्होंने अपने लंबे राजनीतिक सफर का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने 20 साल तक कठिन परिस्थितियों का सामना किया.

• सागर, प्रतिनिधि

सागर | मध्य प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर वरिष्ठ भाजपा नेता और रहली विधायक गोपाल भार्गव का दर्द सार्वजनिक मंच से छलक पड़ा है. सागर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव ने अपने राजनीतिक सफर, पार्टी के प्रति निष्ठा और वर्तमान परिस्थितियों को लेकर खुलकर बात की. उनके बयान के बाद प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है.

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गोपाल भार्गव ने कहा कि राजनीति में उपेक्षा किसी भी व्यक्ति को भीतर से तोड़ देती है. उन्होंने कहा, "अगर किसी व्यक्ति की बात सरकार नहीं सुनती तो उसका मन टूट जाता है." इसी भावनात्मक संदर्भ में उन्होंने अपने लंबे राजनीतिक संघर्ष का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने 20 साल तक लगातार कठिन परिस्थितियों को सहा है, जबकि आज के दौर में लोग 20 महीने भी नहीं टिक पाते.

जब दिग्विजय का प्रस्ताव ठुकराया

अपने बयान में गोपाल भार्गव ने यह भी खुलासा किया कि पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह (Dogvijaya Singh) ने उन्हें एक बार कांग्रेस में शामिल होने का प्रस्ताव दिया था. इस पर अपनी प्रतिक्रिया बताते हुए उन्होंने कहा, "मैंने साफ कह दिया था कि यह माल टिकाऊ है, बिकाऊ नहीं." इस टिप्पणी को उन्होंने अपनी राजनीतिक ईमानदारी और पार्टी के प्रति निष्ठा से जोड़ते हुए कहा कि उन्होंने हमेशा सिद्धांतों की राजनीति की है और किसी भी प्रकार के राजनीतिक सौदे से खुद को दूर रखा है।

पार्टी को जीवन दिया

गोपाल भार्गव ने आगे कहा कि उन्होंने अपना पूरा जीवन पार्टी को समर्पित कर दिया है. "मैंने पार्टी को जीवन दिया है," कहते हुए उन्होंने यह भी संकेत दिया कि लंबे समय तक सेवा देने के बावजूद अपेक्षित सम्मान न मिलना पीड़ा का कारण बनता है. उनका यह बयान सीधे तौर पर वर्तमान राजनीतिक हालात और संगठन के भीतर की स्थिति की ओर इशारा करता है.

भाजपा के वरिष्ठ नेताओं में गिनती

उल्लेखनीय है कि गोपाल भार्गव सागर जिले की रहली विधानसभा से लगातार कई बार विधायक चुने जा चुके हैं और भाजपा के सबसे वरिष्ठ नेताओं में उनकी गिनती होती है. वे पूर्व में लोक निर्माण विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास सहित कई महत्वपूर्ण विभागों के मंत्री रह चुके हैं. उनके प्रशासनिक अनुभव और संगठनात्मक पकड़ को देखते हुए उन्हें हमेशा पार्टी का मजबूत स्तंभ माना गया है.

मोहन कैबिनेट में नहीं मिला पद

हालांकि, मुख्यमंत्री मोहन यादव की वर्तमान कैबिनेट में गोपाल भार्गव को मंत्री पद नहीं दिया गया. इसके बाद से ही उनके बयानों में नाराजगी और पीड़ा के स्वर लगातार सामने आ रहे हैं. इससे पहले दिए गए एक बयान में उन्होंने कहा था कि "हर जगह सिर्फ ब्राह्मणों को ही टारगेट किया जा रहा है," जिस पर प्रदेशभर में राजनीतिक और सामाजिक हलचल मच गई थी.

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि गोपाल भार्गव के ये बयान न सिर्फ उनकी व्यक्तिगत पीड़ा को दर्शाते हैं, बल्कि भाजपा के भीतर वरिष्ठ और अनुभवी नेताओं की भूमिका को लेकर चल रही असंतोष की चर्चा को भी हवा देते हैं. आने वाले समय में उनके बयानों का पार्टी और प्रदेश की राजनीति पर क्या असर पड़ेगा, यह देखना दिलचस्प होगा.

कचरा फेंकने के विवाद में बुजुर्ग की पीट-पीटकर हत्या, परिजनों ने सड़क पर शव रखकर लगाया जाम

• सागर, प्रतिनिधि

सागर | सागर के धर्माश्री क्षेत्र में कचरा और नाली विवाद को लेकर पड़ोसियों की मारपीट में 60 वर्षीय पुरुषोत्तम यादव की मौत हो गई। आक्रोशित परिजनों ने शव रखकर चक्काजाम किया। पुलिस ने चार आरोपियों पर एफआईआर दर्ज कर तलाश शुरू की। आश्वासन के बाद जाम खुलवाया गया।

सागर के मोतीनगर थाना क्षेत्र के धर्माश्री इलाके में मामूली विवाद ने खूनी रूप ले लिया। कचरा फेंकने और नाली की सफाई को लेकर दो पड़ोसियों के बीच हुई मारपीट में 60 वर्षीय बुजुर्ग की जान चली गई। घटना से आक्रोशित परिजनों ने बुधवार को सड़क पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया, जिससे घंटों आवागमन बाधित रहा।

क्या है पूरा मामला? - जानकारी के अनुसार, धर्माश्री रोड निवासी पुरुषोत्तम यादव (60) का मंगलवार रात अपने पड़ोसी नरेंद्र और सुरेंद्र यादव के परिवार से विवाद हुआ था। विवाद की जड़ घर के सामने कचरा फेंकना और नाली का पानी था। देखते ही देखते बात

इतनी बढ़ी कि आरोपियों ने लाठी-डंडों से पुरुषोत्तम पर हमला कर दिया। गंभीर हालत में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया।

परिजनों का फूटा गुस्सा, तिराहे पर लगाया जाम - बुधवार दोपहर पोस्टमार्टम के बाद जैसे ही शव परिजनों को सौंपा गया, गुस्साए लोग धर्माश्री तिराहे पर एकत्र हो गए। परिजनों ने आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर सड़क पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया। इस दौरान पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी हुई।

पुलिस की कार्रवाई - मोतीनगर थाना प्रभारी जसवंत सिंह राजपूत ने बताया कि पीड़ित परिवार की शिकायत पर चार लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस की टीमों ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। परिजनों को समझाइश और सख्त कार्रवाई के आश्वासन के बाद जाम खुलवा दिया गया है। थाना प्रभारी ने कहा कि पड़ोसियों के बीच विवाद में मारपीट हुई थी, जिसमें घायल बुजुर्ग की मौत हुई है। मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है।

जैसीनगर की अंजली को मिला प्रशासनिक संबल, घर पहुँचे कलेक्टर ने बड़े भाई की तरह दी सेहत और पोषण की सलाह

प्रसव के लिए संस्थागत प्रसव को ही प्राथमिकता दें- कलेक्टर

• सागर, प्रतिनिधि

सागर | कलेक्टर श्री संदीप जी आर ने प्रशासनिक संवेदनशीलता की अनूठी मिसाल पेश की है। जैसीनगर विकासखंड में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान ग्राम जैसीनगर की गर्भवती माता अंजली पति कुंवर सिंह चढ़ार के बारे में जानकारी मिलते ही कलेक्टर कुशलक्षेम जानने स्वयं उनके घर पहुंच गए।

कलेक्टर ने गर्भवती माता से उनका स्वास्थ्य का हालचाल जाना, इस दौरान गर्भवती माता का हीमोग्लोबिन कम होने की बात सामने आने पर कलेक्टर ने विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी।

उन्होंने गर्भवती माता को नियमित रूप से ब्लड जांच कराने, तनाव से दूर रहने तथा डॉक्टर की सलाह के अनुसार दवाएं लेने की सलाह दी। साथ ही पौष्टिक आहार जैसे दूध, फल, हरी सब्जियां, ड्राई फ्रूट्स और प्रोटीन युक्त भोजन नियमित रूप से लेने की सलाह दी ताकि गर्भावस्था में होने वाली जटिलताओं से बचा जा सके। उन्होंने कहा कि अच्छा पोषण मां और बच्चे दोनों के स्वास्थ्य के लिए जरूरी है, जिससे एनीमिया और अन्य जटिलताओं से बचा जा सकता है। इस दौरान उन्होंने गर्भवती माता को नियमित जांच कराने और सरकारी योजनाओं जैसे जननी सुरक्षा योजना, प्रसव पूर्व जांच और पोषण सहायता का लाभ उठाने की भी सलाह दी एवं सुरक्षित प्रसव की शुभकामनाएं दीं।

कलेक्टर श्री संदीप जी.आर. ने आमजन से अपील की कि प्रसव के लिए संस्थागत प्रसव को ही प्राथमिकता दें, ताकि मां और बच्चे दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि जिले में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को शून्य करने का लक्ष्य है और इसके लिए स्वास्थ्य विभाग पूरी मुस्तैदी से काम कर रहा है।

स्वास्थ्य अमले को अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश - कलेक्टर ने बीएमओ और स्थानीय स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को सख्त निर्देश दिए कि अंजली जैसी सभी गर्भवती महिलाओं की रियल-टाइम मॉनिटरिंग की जाए। प्रसव के समय 108 एम्बुलेंस की उपलब्धता में मिनटों की भी देरी न हो। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रेग्नेंसी के मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने गर्भवती माताओं की विशेष निगरानी सुनिश्चित करने और आपात स्थिति में तत्काल स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करने और स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने पौष्टिक आहार और सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे हितग्राही तक पहुंचना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

धार्मिक स्थलों के पास बढ़ाएं फूलों की खेती - आयुक्त

• सागर, प्रतिनिधि

सागर | संभाग आयुक्त श्री अनिल सुचारी ने बैठक में संभाग के सात प्रमुख विभागों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि शासकीय योजनाओं का लाभ कागजों से निकलकर सीधे जनता तक पहुँचना चाहिए। उन्होंने उद्यानिकी विभाग को धार्मिक क्षेत्रों में पुष्प खेती बढ़ाने और पशु चिकित्सा विभाग को अपनी मोबाइल यूनिट्स का भौतिक सत्यापन करने के कड़े निर्देश दिए।

बैठक के दौरान उद्यानिकी विभाग की समीक्षा करते हुए आयुक्त श्री सुचारी ने कहा कि सागर संभाग के जो क्षेत्र धार्मिक दृष्टि से विशेष महत्व रखते हैं, वहां 'पुष्प क्षेत्र विस्तार योजना' को प्राथमिकता के साथ लागू किया जाए। राज्य शासन के निर्देशानुसार मंदिरों और धार्मिक स्थलों के समीप फूलों की खेती होने से जहां एक ओर श्रद्धालुओं को ताजे पुष्प सुलभ होंगे, वहीं स्थानीय किसानों के लिए आय के नए स्रोत पैदा होंगे।

पर ड्रॉप मोर क्रॉप अभियान के तहत आयुक्त ने दो टूक कहा कि संभाग के सभी जिलों में ड्रिप इरिगेशन (सूक्ष्म सिंचाई) का कार्य 100 प्रतिशत पूर्ण होना चाहिए। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय होगी।

पशु चिकित्सा गाड़ियों का होगा औचक निरीक्षण - पशुपालन विभाग की समीक्षा में डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना और पशु टीकाकरण पर विशेष ध्यान देने को कहा गया। आयुक्त ने विभागीय पारदर्शिता पर जोर देते हुए निर्देश दिए कि संभाग में संचालित पशु चिकित्सा इकाई की गाड़ियों का अधिकारी स्वयं औचक निरीक्षण और भौतिक सत्यापन करें।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, मिनाक्षी पांडेय द्वारा डीके ऑफसेट प्रिंटर्स 50/6 शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से मुद्रित एवं 111/44, शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से प्रकाशित।
संपादक मिनाक्षी पांडेय एवं स्थानीय संपादक मनीष पांडेय मो.न- 7566293490, प्रबंध संपादक आशीष नेमा मेल sadhnaexpress@gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल म.प्र रहेगा।)| RNI NO. MPHIN/2022/84698